



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



5 घुसपैटियों को शरण दे रही ममता बर्नर्जी सरकार: शिवराज सिंह चौहान

6 युद्ध से आर्थिक संकट और बिगड़ता सामाजिक ताना बना

7 'जलसा' सिर्फ घर नहीं, लाखों दिलों का आशीर्वाद है : अमिताभ बच्चन

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

अवकाश की सूचना

रंगों से सराबोर भाईचारे के त्यौहार होली के अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं हितैषियों को अनेकानेक बधाइयां। 3 और 4 मार्च 2026 को होली उत्सव के उपलक्ष्य में **दक्षिण भारत कार्यालय** में संपूर्ण अवकाश रहेगा, अगला अंक 6 मार्च को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

मगवान जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सूची 25 मार्च से तैयार की जाएगी

पुरी/बाणा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने सोमवार को निर्णय लिया कि 12वीं शताब्दी के मंदिर में 48 वर्षों के अंतराल के बाद 25 मार्च से रत्न भंडार (कोषागार) की बहुप्रतीक्षित सूची तैयार करने का कार्य शुरू किया जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति (एसजेटीएमसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय लिया गया। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीएम) के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने संबन्धिताओं को बताया, 'रत्न भंडार की सूची तैयार करने का कार्य 25 मार्च को दोपहर 12:12 बजे से अपराह्न 1:45 बजे के बीच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।' पाधी ने कहा कि समय और तारीख का निर्धारण विद्वानों और धार्मिक विशेषज्ञों की राय के आधार पर किया गया।

ओडिशा के मलकानगिरि में 210 कछुओं को बचाया गया

मलकानगिरि/बाणा। ओडिशा के वन विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को मलकानगिरि जिले में एक वाहन से कथित तौर पर तस्करी किए जा रहे 210 कछुओं को बचाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मलकानगिरि के संभागीय वन अधिकारी साई कर्ण ने पत्रकारों को बताया कि तलाशी अभियान के दौरान, वनकर्मीयों ने जंगल के अंदर एक कार को रोका और उसमें से 10 बोरियों में रखे गए कछुए बरामद किए। उन्होंने बताया कि वनकर्मीयों को आते देख चालक और अन्य सह-आरोपी मौके से फरार हो गए। कर्ण ने बताया कि वाहन को जन्त कर कछुओं को मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि वन्यजीव अपराध का मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले में जांच जारी है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

03-03-2026 04-03-2026

सूर्योदय 6:28 बजे सूर्यास्त 6:34 बजे

BSE 80,238.85 (-1,048.34) NSE 24,865.70 (-312.95)

सोना 17,821 रु. (24 केसर) प्रति बाम चांदी 305,070 रु. प्रति किलो

निशान मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फितरत हमारी

कितने ही कानून बना दो, हम धाराएं तोड़ेंगे। चाहे भर देते जुमाना, या ले-दे के छोड़ेंगे। किनकी जेबें होगी भारी, किनके बाल झिंझोड़ेंगे। सिरस्टम के नाकारापन पर, सिर्फ ठीकरा फोड़ेंगे।

कनाडा का निवेश भारत की आर्थिक प्रगति में उनके गहरे और अटूट विश्वास का प्रतीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बाणा। भारत और कनाडा ने सोमवार को कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों के एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए यूरेनियम और महत्वपूर्ण खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी ने द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए सहयोग की एक महत्वाकांक्षी रणनीति को अंतिम रूप दिया। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत इस वर्ष के अंत तक 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' (सीडीपीए) को संपन्न करने और वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय वार्षिक व्यापार को वर्तमान के 13 अरब डॉलर से बढ़ाकर 50 अरब डॉलर के पार ले जाने का संकल्प व्यक्त किया गया है। इसके अलावा दोनों देशों ने 2.6 अरब डॉलर के महत्वपूर्ण यूरेनियम समझौते पर भी हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं के बीच हुई यह व्यापक वार्ता इस मायने में अत्यंत महत्वपूर्ण है कि यह संबंधों में आए एक लंबे गतिरोध के बाद हो रही है। वर्ष 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो

- भारत-कनाडा के बीच 2.6 अरब डॉलर का यूरेनियम सौदा
- व्यापक व्यापार समझौते को पूरा करने का संकल्प



द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निजर की हत्या में भारतीय एजेंट की संभावित संलिप्तता के निराधार आरोपों के बाद दोनों देशों के कूटनीतिक संबंध अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। उस समय उपजी तल्खी ने व्यापारिक और कूटनीतिक संवाद को लगभग बाधित कर दिया था। हालांकि, पिछले वर्ष मार्च में मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद से दोनों पक्षों ने संबंधों के पुनर्निर्माण और विकास बहाली के लिए उपायों की एक निरंतर श्रृंखला शुरू की। आज की बैठक इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि दोनों देशों के संबंध अब उस अस्थिरता के दौर से बाहर निकलकर अधिक परिष्कृत, स्थिर और भविष्योन्मुखी चरण में प्रवेश कर चुके हैं। भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए दोनों देशों ने एक नयी रणनीतिक ऊर्जा साझेदारी की घोषणा की। इसके प्रथम चरण के अंतर्गत, भारत सरकार और स्काट्रून (कनाडा) स्थित प्रमुख कंपनी 'कैमेको' के बीच 2.6 अरब डॉलर के एक बृहद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार, कैमेको वर्ष 2027 से 2035 के बीच भारत को लगभग 2.2 करोड़ पाउंड यूरेनियम की आपूर्ति करेगी, जो भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए ईंधन की निरंतरता सुनिश्चित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, नागरिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में हमने दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हम छोटे और मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर (एसएमआर) तथा उन्नत रिएक्टर की प्रौद्योगिकी पर भी साथ मिलकर काम करेंगे।

महिला सशक्तीकरण सिर्फ सरकार का ही नहीं, बल्कि सबका कर्तव्य : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बाणा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला सशक्तीकरण को समाज के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बताते हुए सोमवार को कहा कि महिलाएं आज सेना, विज्ञान, खेल, राजनीति, प्रशासन और व्यापार सहित हर क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हालांकि उन्हें हिंसा, आर्थिक असमानता, सामाजिक उपेक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिन्हें दूर करना आवश्यक है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि आधी आबादी के सशक्त हुए बिना यह लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। दिल्ली सरकार के सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने स्त्री और पुरुष को जीवन रूपी रथ के दो पहिए बताते हुए कहा कि दोनों के समान रूप से सशक्त होने पर ही राष्ट्र प्रगति कर सकता है।



■ राष्ट्रपति ने स्त्री और पुरुष को जीवन रूपी रथ के दो पहिए बताते हुए कहा कि दोनों के समान रूप से सशक्त होने पर ही राष्ट्र प्रगति कर सकता है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी 'पिंक नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' और दिल्ली सरकार की तीन अन्य महिला-केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत करते हुई की। मुर्मू ने कहा कि 'मेरी पूंजी, मेरा अधिकार', 'सहेली स्मार्ट कार्ड' और दिल्ली लखपति बिडिया जैसी योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। राष्ट्रपति ने दिल्ली सरकार की महिला सशक्तीकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल, दिल्ली लखपति बिडिया योजना, होली एवं शिवाली पर निःशुल्क गैस सिलेंडर योजना और सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड की औपचारिक शुरुआत की। साथ ही, लाडली योजना के अंतर्गत 40,642 बालिका लाभार्थियों के खातों में 100 क्रेडिट रुपए से अधिक की राशि भी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से स्थानांतरित किए गए।

युद्ध केवल मानवता की भलाई के लिए होना चाहिए : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बाणा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने सोमवार को विश्व में शांति का आह्वान करते हुए कहा कि युद्ध केवल मानवता की भलाई और सत्य के लिए होना चाहिए, न कि 'स्वार्थ' सिद्धि के लिए। आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार एवं मीडिया विभाग के प्रमुख सुनील आंबेकर ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, पश्चिम एशिया में मौजूदा स्थिति के कारण विदेशों में विभिन्न स्थानों पर फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। अमेरिका और इजराइल

हो रहा है। युद्ध हो रहे हैं। अगर इनका शांतिपूर्ण समाधान निकल आए तो निश्चित रूप से अच्छा होगा। भारत हमेशा से दुनिया में शांति और प्रगति चाहता है।' आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, 'अगर कोई युद्ध होता है, तो यह मानवता की भलाई और सत्य के लिए होना चाहिए, न कि स्वार्थ सिद्धि के लिए... हम चाहते हैं कि पूरी दुनिया में शांति स्थापित हो।' आंबेकर ने पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात के चलते विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'युद्ध के कारण भारतीय दुनिया के विभिन्न हिस्सों में फंसे हुए हैं।

रुपया 42 पैसे की भारी गिरावट के साथ 91.50 प्रति डॉलर पर मुंबई/बाणा

इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के कारण वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की धारणा प्रबल होने से सोमवार को रुपया 42 पैसे की भारी गिरावट के साथ 91.50 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इन सैन्य हमलों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है और अमेरिकी मुद्रा की मांग में तीव्र वृद्धि हुई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और विदेशी कोषों की निकासी ने भारतीय मुद्रा पर दबाव को और बढ़ा दिया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.23 पर खुला और कारोबार के दौरान इसने 91.65 का निचला स्तर छुआ। अंत में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 42 पैसे की बड़ी गिरावट दर्ज करते हुए 91.50 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

दुनिया में अशांति, अस्थिरता और संघर्ष देखा जा रहा है, वहीं भारत स्थिर है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/बाणा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि जहां दुनिया में अशांति, अस्थिरता और संघर्ष देखा जा रहा है, वहीं भारत स्थिर है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति कर रहा है। यहां पंडेहाट में श्री श्री होलिका दहन उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'भक्त प्रह्लाद शोभायात्रा' के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि त्यौहार तभी खुशी लाते हैं जब शांति और सद्भाव से मनाया जाए। उन्होंने कहा, 'आज दुनिया के कई हिस्सों में उथल-पुथल, अशांति और अराजकता है। लेकिन हर भारतीय को गर्व हो सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और दुनिया के सामने 'न्यू इंडिया' का दृष्टिकोण पेश कर रहा है।'

आदित्यनाथ की ये टिप्पणी पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद बड़े हुए वैश्विक तनाव की पृष्ठभूमि में आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'न्यू इंडिया' समाज के सभी वर्गों के लिए अवसर और उत्सव दोनों प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से सम्मान पूर्वक होली मनाने की अपील करते हुए कहा कि होलिका दहन इस तरीके से किया जाना चाहिए कि इससे किसी को अनुचित न हो या किसी की संपत्ति को नुकसान न हो।

भाजपा नेता ने सिद्धरामय्या पर लगाया शिवकुमार समर्थक विधायकों की जासूसी कराने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर/बाणा। भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने खुफिया एजेंसियों को उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों की गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया है। मीडिया में आई एक खबर का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाने के लिए खुद की ही पार्टी के प्रतिद्वंद्वियों पर नजर रखने के वारंटे खुफिया एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'तो अब, राज्य खुफिया विभाग के पास एक नया पूर्णकालिक काम है - उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के गुट के रात्रिभोज में उपस्थिति पर नजर रखना।' उन्होंने कांग्रेस कांसिस सांसद राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'राहुल गांधी अब कहाँ हैं? राहुल गांधी जो संस्थाओं के दुरुपयोग के बारे में भाषण देते थे, अब चुप हैं।' सिद्धरामय्या और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए रस्साकशी के बीच, शिवकुमार के प्रति निष्ठा रखने वाले 40 विधायक बेंगलूर के एक होटल में एकत्र हुए। खबरों के अनुसार, उन्होंने अपने नेता को मुख्यमंत्री बनाने के तरीकों पर कथित तौर पर चर्चा की।

इजराइली, अमेरिकी विमानों के ईरान पर बमबारी के बीच युद्ध का दायरा बढ़ा

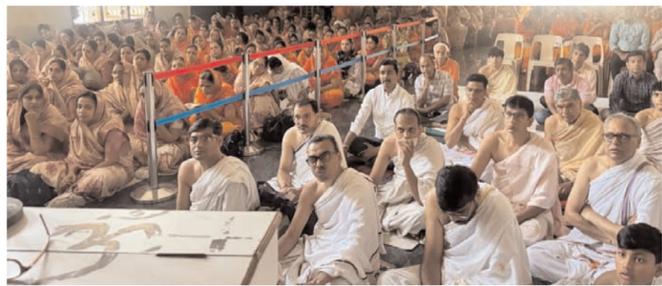
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान और उसके सहयोगी सशस्त्र समूहों ने सोमवार को इस क्षेत्र में इजराइल, अरब देशों और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं, जबकि इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर बमबारी की जिसके साथ ही युद्ध अब कई मोर्चों पर फैल गया है। इस बीच कुवैत ने गलती से अपने आसमान में तीन अमेरिकी युद्धक विमानों को मार गिराया। दोनों पक्षों के हमलों की तीव्रता, ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और किसी स्पष्ट निकास योजना के अभाव से संकेत मिलता है कि संघर्ष जल्द समाप्त नहीं होने वाला। इसके दूरगामी परिणाम पूरे क्षेत्र और उससे परे भी देखने को मिल रहे हैं; दुबई जैसे पश्चिम एशिया के सुरक्षित ठिकाने भी अब हमलों की चपेट में आ गए हैं; दुनिया भर में लाखों



हवाई यात्री फंसे हुए हैं; तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं; और अमेरिकी सहयोगियों ने ईरानी मिसाइलों और ड्रोन को रोकने में मदद करने का वादा किया है। ईरान ने लंबे समय से धमकी दी है कि अगर हमला हुआ तो इस क्षेत्र को वह पूर्ण युद्ध में घसीटेगा, जिसमें इजराइल, खाड़ी देशों और वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए महत्वपूर्ण कच्चे तेल की आपूर्ति को निशाना बनाना शामिल है। सोमवार को इन सभी चीजों पर हमला हुआ। 'कतर एनर्जी' ने संघर्ष के कारण तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एनपीजी) का उत्पादन बंद करने की घोषणा की है, जिससे दुनिया के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक बाजार से बाहर हो जाएगा। कंपनी ने उत्पादन बहाल करने के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई है। संघर्ष की अराजकता तब स्पष्ट हो गई जब अमेरिकी सेना ने कहा कि कुवैत ने एक युद्ध अभियान के दौरान तीन अमेरिकी एफ-15ई स्टाइक इंगल विमानों को गलती से मार

- ईरान-इजराइल संघर्ष कई मोर्चों पर फैला, क्षेत्र में पूर्ण युद्ध जैसे हालात
 - कुवैत ने गलती से तीन अमेरिकी एफ-15ई लड़ाकू विमान मार गिराए
 - तेल और गैस प्रतिष्ठान बने निशाना, वैश्विक ऊर्जा बाजार में उथल-पुथल
 - रास तनुरा और अहमदी रिफाइनरी पर ड्रोन हमले, उत्पादन अस्थायी रूप से बंद
 - दुनिया भर में हवाई यात्री फंसे, तेल कीमतें आसमान पर
- गिराया, जबकि ईरानी विमानों, बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले जारी थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि सभी छह पायलट सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकल गए और उनकी हालत स्थिर है। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, अमेरिका-इजराइल अभियान में ईरान में अब तक कम से कम 555 लोग मारे जा चुके हैं और देश भर के 130 से अधिक शहर हमलों की चपेट में आ चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, इजराइल में 11 लोग मारे गए हैं, जबकि लेबनान में 31 लोगों की जान गई है।



'आदि' से 'मणि' तक गुरु गुणों का गान

आचार्य श्री जिन मणिप्रभसूरी का अवतरण दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में पूज्य मलयप्रभ सागर जी म. सा. वशी मुकुलप्रभ सागर जी की निशामें अर्पित तीर्थोद्धारक, खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी का 66 वां अवतरण दिवस गुरु गुणों की चन्चना करके मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में दादा ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने गुरुदेव के चरणों में भावपूर्ण वंदना अर्पित की और सभी पधारें हुए सदस्यों का स्वागत किया।

ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने अपने संदेश में कहा कि गुरुदेव की जीर्णोद्धारक शक्ति का संघ के ऊपर विशेष कृपा दृष्टि रही है। प्रकटा अरविंद कोठारी ने बताया



सामायिक की आराधना साधना के भाव पुष्प अर्पण किया गया। इस पावन दिवस पर जोधपुर से आए सोहन मेहता ने परमात्मा 'आदिनाथ से महावीर और गुरुदेव मणिप्रभ सागर जी तक' के जिनशासन में योगदान विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आदिनाथ इस युग के प्रथम वैज्ञानिक थे जिन्होंने हमें अरि, मसि और कृषि की शिक्षा दी। परमात्मा महावीर ने आज से 2600 वर्ष पूर्व हमें हमारी जीवन शैली कैसी होनी चाहिए इस बारे में बताया। मलयप्रभ सागर जी और मुकुलप्रभ सागर जी ने अपने जीवन को सजाने संवारने में गुरुदेव के योगदान की बातें और अनछुए पहलुओं के बारे में बताया। कार्यक्रम में पवनी बाफना और यशोदा गुलेच्छा ने भी गुरुदेव के जीवन और उनके उपकारों के बारे में बताया।

गंगाजल व चन्दन लगाकर हॉल में होली खेलकर आनंद लिया। इस अवसर पर मनीत सोमानी, संजय नोपानी, संजीव खेतान, विनय राय, रामबिलास अग्रवाल, किशोरीलाल लोहिया, गोपाल लाट सहित काफी संख्या में भक्त उपस्थित थे। दादीजी रसोई (प्रसाद) एवं अरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सविन संजय चौधरी ने आभार प्रकट किया। संचालन शिवकुमार टेकडीवाल ने किया।



दादी भक्तों ने खेली चन्दन की होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। यहां दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में रांका कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन श्री सालासर बालाजी मंदिर के हॉल में रविवार को चन्दन की होली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दादीजी का भव्य दरबार सजाया गया।

मंदिर के उपाध्यक्ष सतीश मिश्र, समिति के अध्यक्ष शिवकुमार संतोष टेकडीवाल, प्रकाश चौधरी, नोपानी, संजीव खेतान, विनय राय, रामबिलास अग्रवाल, किशोरीलाल लोहिया, गोपाल लाट सहित काफी संख्या में भक्त उपस्थित थे। दादीजी रसोई (प्रसाद) एवं अरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सविन संजय चौधरी ने आभार प्रकट किया। संचालन शिवकुमार टेकडीवाल ने किया।

सर्वप्रथम सालासर बालाजी

साइबर अपराध की तुरंत सूचना देने से त्वरित जांच संभव : गुजरात डीजीपी

राजकोट/भाषा। गुजरात के पुलिस महानिदेशक के. एन. राय ने कहा है कि यदि साइबर अपराध की घटनाओं की तुरंत सूचना दी जाए, तो पुलिस समय पर कार्रवाई कर सकती है और इससे ठगी गई रकम वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

राय ने कहा कि पुलिस को जितनी जल्दी सूचना दी जाएगी, वे (पुलिसकर्मी) उतनी ही तेजी से कार्रवाई शुरू कर सकेंगे, जिससे ठगी गई राशि वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है। पुलिस महानिदेशक ने गुजरात में हाल की बम धमकियों और इस संबंध में की जा रही साइबर जांचों पर कहा कि अपराध शाखा और 'साइबर दक्षता केंद्र' के साथ अन्य विशेषज्ञ इकाइयों भी इन मामलों की सक्रिय रूप से जांच कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा, 'बाहे फजी कॉल हों, साइबर धोखाधड़ी हो, फर्जी पहचान या संगठित डिजिटल धोखाधड़ी हों, हम इनके तौर-तरीकों की पहचान कर रहे हैं और कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं।'

राय ने बताया कि बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा भी एक प्रमुख मुद्दा रहा, जिसमें दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए निवारक रणनीतियों और इनके सख्त अनुपालन पर चर्चा हुई। डीजीपी ने कहा, 'हमने सड़क हादसों को कम करने के उपायों की समीक्षा की और मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने के लिए समन्वित कदमों पर चर्चा की।'

होली



वडोदरा में सोमवार को वडोदरा के एक स्कूल में इको-फ्रेंडली प्री-होली सेलिब्रेशन के दौरान बच्चे फूलों की पंखुड़ियों से खेलते हुए।

पालघर की रासायनिक इकाई से जहरीली गैस का रिसाव, 2600 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र में पालघर जिले के एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक रासायनिक इकाई से सोमवार दोपहर को ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड) गैस का रिसाव हुआ, जिसके बाद 1600 स्कूली छात्रों समेत 2600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोगों को आंखों में मामूली जलन

की शिकायत हुई। उन्होंने बताया कि मुंबई के बाहरी इलाके में बोइसर एमआईडीसी क्षेत्र में स्थित इकाई के पांच किलोमीटर के दायरे में ओलियम (फ्यूमिंग सल्फ्यूरिक एसिड) गैस का रिसाव हुआ, जिसके चलते एहतियात के तौर पर लोगों को वहां से निकाला गया। अपराह्न करीब दो बजे भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड की इकाई में हुए रिसाव से सफेद धुएँ का एक घना बादल बन गया जो हवा की गति के कारण तेजी से फैल गया, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले निवासियों और श्रमिकों के बीच



दहशत फैल गई गैस रिसाव के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। दृश्य किताबत रूप से स्थिति पर नजर रख रही पालघर जिले की

कलेक्टर डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने कहा कि आपदा प्रबंधन योजना को तुरंत सक्रिय कर दिया गया है। प्रशासन ने एक प्रेस विज्ञापन में

बताया, यह रिसाव 2,500 लीटर क्षमता वाले ओलियम डे टैंक से हुआ। हवा की दिशा के कारण धुआं आसपास के इलाकों में फैल गया, जिससे लगभग पांच किलोमीटर के दायरे पर असर पड़ा। एहतियात के तौर पर, अधिकारियों ने स्थानीय स्कूल तारापुर विद्यामंदिर से 1,600 छात्रों को तत्काल निकालने का आदेश दिया। इसके अलावा, भागेरिया इंडस्ट्रीज और आसपास की कंपनियों के 1,000 से अधिक श्रमिकों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

दो हजार के 98.44 प्रतिशत नोट वापस आए : आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि 2,000 रुपए के 98.44 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपए के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। आरबीआई के सोमवार को जारी बयान के अनुसार, 19 मई, 2023 को जब यह घोषणा की गई थी, तब बाजार में 2,000 रुपए के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था। 28 फरवरी, 2026 को कारोबार बंद होने तक यह घटक 5,551 करोड़ रुपए रह गया। रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों (आरबीआई निर्गम कार्यालय) में 19 मई, 2023 से 2000 रुपए के नोट बदलने की सुविधा उपलब्ध है। नो अक्टूबर, 2023 से आरबीआई के निर्गम कार्यालय व्यक्तियों और संस्थाओं से 2,000 रुपए के नोट उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी स्वीकार कर रहे हैं।

ईपीएफओ ने कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा

नई दिल्ली/भाषा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब ब्याज दर को इस स्तर पर रखा गया है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। ईपीएफओ ने 2024 में ब्याज दर को बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो 2022-23 में 8.15 प्रतिशत थी। श्रम मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में सोमवार को केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने अपनी बैठक में 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफओ) पर 8.25 प्रतिशत का ब्याज देने की सिफारिश की है। ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय सीबीटी की सिफारिश पर वित्त मंत्रालय मंजूरी देगा। सरकार द्वारा ब्याज दर आधिकारिक रूप से अधिसूचित करने के बाद ईपीएफओ अंशधारकों के खातों में ब्याज जमा करेगा। मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, ईपीएफओ ने मजबूत वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। इससे ब्याज खाते पर दबाव डाले बिना स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न सुनिश्चित किया जा रहा है।

आबकारी मामले में केजरीवाल, अन्य को बरी करने का विशेष अदालत का आदेश अवैध : सीबीआई

नई दिल्ली/भाषा। आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य को बरी करने वाले विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए, सीबीआई ने दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि यह आदेश अभियोजन पक्ष के मामले की चुनौती व्याख्या पर आधारित था, जिसमें आरोपियों की संसिद्धता दर्शाने वाली सामग्री को नजरअंदाज किया गया था, और यह स्पष्ट रूप से अवैध था। उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी 974 पृष्ठों की याचिका में, सीबीआई ने कहा कि विशेष न्यायाधीश ने अनिवार्य रूप से एक संक्षिप्त सुनवाई की, जिसमें आरोपियों के कार्यों का समग्र रूप से आकलन करने के बजाय साजिश के अलग-अलग पहलुओं से अलग-अलग निपटा गया। इस आदेश को विकृत बताया है एजेंसी ने कहा कि इसमें स्पष्ट त्रुटियां हैं, यह तथ्यों की गलत व्याख्या पर आधारित है और आरोप तय करने के चरण से संबंधित उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों/निर्देशों का उल्लंघन करता है।

दौरा



कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. जयशंकर रेड्डी और आंध्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वईएस शर्मिला सोमवार को हैदराबाद के विकाराबाद जिले में पहुंचे।

भाजपा सरकार लक्ष्य बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार का लक्ष्य बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का है। गुप्ता ने कहा कि सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर उनकी सरकार एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रही है जो राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, गुप्ता ने यह टिप्पणी उत्तर पूर्वी दिल्ली के खजुरी खास इलाके में केंद्रीय विद्यालय के अस्थायी भवन का उद्घाटन करने और इसके स्थायी भवन के निर्माण के लिए भूमि पूजन करने के बाद की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इलाके में लंबे समय से अच्छी शैक्षणिक सुविधाओं की कमी थी और अब तक यह क्षेत्र मात्र एक केंद्रीय विद्यालय पर निर्भर था। उन्होंने बताया कि नए केंद्रीय विद्यालय के बनने से बच्चों को बेहतर और आधुनिक शिक्षा का मिलेगा और पूरे क्षेत्र में शिक्षा का

महौल भी सुधरेगा व सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया, सरकार का लक्ष्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगी। बयान के मुताबिक, इस नए विद्यालय के संचालन के साथ ही दिल्ली में केंद्रीय विद्यालयों की कुल संख्या बढ़कर 47 हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 'ट्रिपल इंजन सरकार' के समन्वित प्रयासों से शिक्षा, सड़क, पेयजल, सौचर, फ्लाइंगोवर, फुटओवर ब्रिज, अस्पताल और अन्य बुनियादी विकास परियोजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है

और इनका प्रत्यक्ष लाभ आम जनता को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्रीय विद्यालय के निर्माण से क्षेत्र के बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उपलब्ध होगी और यह संस्थान आने वाली पीढ़ियों के उच्चलभ्य शब्द की मजबूत नींव बनेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र, दिल्ली सरकार और नगर निगम के समन्वित कार्य के कारण विकास कार्यों में गति आई है और इसका लाभ सीधे जनता तक पहुंच रहा है। गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि कराल नगर क्षेत्र में मेट्रो परियोजना शीघ्र शुरू होने वाली है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यह केवल एक विद्यालय का उद्घाटन नहीं, बल्कि उस क्षेत्र के समग्र विकास का नया अध्याय है, जो वर्षों तक बुनियादी शैक्षणिक अवसरचना की कमी से जुझता रहा। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक शिक्षा का विकास सीमित क्षेत्रों तक ही दिखाई देता था। शिक्षा मंत्री ने कहा कि 27 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बनी भाजपा सरकार ने इस दिशा में दोस पहल करते हुए दूसरा केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने का कार्य किया है।

खामेनेई की हत्या के विरोध में कश्मीर में प्रदर्शन, लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाए गए

श्रीनगर/भाषा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में कश्मीर के कई हिस्सों में सोमवार को विरोध प्रदर्शन के कारण प्राधिकारियों ने लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया और मोबाइल इंटरनेट की गति धीमी कर दी। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमलों में रविवार को खामेनेई की मौत हो गई, जिसके विरोध में कश्मीर घाटी में लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन हो रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, शहर के बेमिना, गुंड हसीभट और जहंगीर चौक इलाकों में तथा दक्षिण कश्मीर के पुलवामा कस्बे में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे।



के जमावड़े को रोकने के लिए शहर भर में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों को तैनात किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि शहर में प्रवेश करने वाले महत्वपूर्ण चौराहों पर कटीले तार और अवरोधक लगाए गए हैं। घाटी के अन्य जिलों में शिया बहुल क्षेत्रों में भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। ये प्रतिबंध मुताहिया मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारुक द्वारा दिए गए एक

दिवसीय हड़ताल के आह्वान के मद्देनजर लगाए गए हैं। विपक्षी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुर्ती सहित कई राजनीतिक दलों ने एमएमयू की हड़ताल के आह्वान का समर्थन किया। महबूबा ने कहा, 'ईरान के सर्वोच्च नेता की शहादत पर मीरवाइज उमर फारुक द्वारा किए गए बंद के आह्वान के प्रति हम अपना पूर्ण समर्थन और हम अपना पूर्ण समर्थन देते हैं। घाटी के अन्य जिलों में शिया बहुल क्षेत्रों में भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। ये प्रतिबंध मुताहिया मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारुक द्वारा दिए गए एक

विरोध किया था। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत और कनाडा ने यूरेनियम की आपूर्ति और छोटे रिफ़क्टर के निर्माण को लेकर कनाडा के साथ समझौता संभव हो पाया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस बात का भी उल्लेख किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष में रहते हुए भारत-अमेरिका परमाणु करार का विरोध किया था। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत और कनाडा ने यूरेनियम की आपूर्ति और छोटे रिफ़क्टर के निर्माण में सहयोग पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। तारापुर में अमेरिकी कंपनी जीई द्वारा आपूर्ति किए गए भारत के पहले वाणिज्यिक परमाणु रिफ़क्टर के बाद, कनाडा कल्पक और अन्य स्थानों पर भारी जल रिफ़क्टर स्थापित करने में भारत की सहायता कर रहा था।' उन्होंने कहा, '18 मई, 1974 को

पोखरण में शांतिपूर्ण परमाणु विस्फोट के बाद यह सहायता रोक दी गई थी। इन रिफ़क्टरों को वास्तव में कनाडा ज्यूरैट्रियम यूरेनियम के लिए 'कैनडू' रिफ़क्टर कहा जाता था।' रमेश ने कहा कि कनाडा और भारत ने आज जिस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, वह केवल अस्तित्व के कारण ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, 'यह समझौता पूरी तरह से डॉ. मनमोहन सिंह के अडिग रहने और दृढ़ विश्वास के कारण हुआ था। इस समझौते का तब भाजपा ने पुरजोर विरोध किया था।'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हमारी नजर पश्चिम एशिया की स्थिति पर, कन्नड़ लोगों की सुरक्षा शीर्ष प्राथमिकता : सिद्धरामय्या



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में हाल में तनाव बढ़ने के बाद उत्पन्न स्थिति पर वह भारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने आकासम दिया कि विदेश में रहने वाले कन्नड़ लोगों की सुरक्षा और भलाई उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सिद्धरामय्या ने 'एक्स' पर कहा कि अब तक मिली जानकारी के अनुसार, हवाई क्षेत्र में व्यवधान और उड़ानें रद्द होने के कारण लगभग 100 कन्नड़ लोग संयुक्त अरब अमीरात

(दुबई) में और नौ लोग बहरीन में फंसे हुए हैं।

उन्होंने कहा, "हमारी टीम इन बातों की पुष्टि करने और सहायता प्रदान करने के लिए लगातार संपर्क में है।" अपने पोस्ट में मुख्यमंत्री ने खाड़ी क्षेत्र में स्थित भारतीय दूतावासों के हेल्पलाइन नंबर साझा करते हुए कहा, "पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में हाल में तनाव बढ़ने के बाद उत्पन्न स्थिति पर हमें भारीकी से नजर रख रहा हूँ। विदेश में रहने वाले प्रत्येक कन्नड़ व्यक्ति की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आपातकालीन

(एसईओसी) और सभी जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (डीईओसी) को चौबीसों घंटों के लिए सक्रिय कर दिया गया है। उन्होंने कहा, "हम विदेश मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों के साथ निरंतर समन्वय में हैं। हमारे मुख्य सचिव ने भारत सरकार को पत्र लिखकर कन्नड़ भाषी लोगों की सुरक्षा, सहायता और संभावित वापसी के लिए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया है।"

सिद्धरामय्या ने कहा कि आवश्यक सहायता प्रदान करने, जल्द से जल्द वापसी उड़ानें सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस के साथ समन्वय का

अनुरोध करते हुए एक अलग पत्र भी भेजा गया है। उन्होंने कहा, प्रभावित क्षेत्र में हमारे भाइयों और बहनों से निवेदन है कि वे धैर्य रखें और स्थानीय अधिकारियों तथा भारतीय दूतावासों द्वारा जारी सलाहों का सख्ती से पालन करें। प्रेस विज्ञप्ति में दिए गए हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से संबंधित दूतावास/वाणिज्य दूतावास में पंजीकरण कराएं। हमारी टीम अनुरोधों को संकलित कर रही है और हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक सरकार उनके साथ कन्नड़ों की सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाती रहेगी।



खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए केंद्र सरकार तैयार : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए पूरी तरह तैयार है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश स्थित भारतीय मिशनों के संपर्क में है। एक बयान में जोशी ने कहा कि संघर्ष के कारण प्रभावित लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की गई है।

उन्होंने कहा, जब भी कन्नड़ भाषी और अन्य भारतीय दुनिया में कहीं भी संकट का सामना करते हैं, केंद्र सरकार उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करती है। इससे पहले, हम यूक्रेन में फंसे लोगों को वापस लाए थे। भारतीय जहाज भी हैं, उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जोशी ने कहा कि

ईरान-इजराइल संघर्ष की गंभीरता के कारण कन्नड़ भाषी लोगों के परेशानी में फंसे होने की सूचना मिली है और उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने हेतु वरिष्ठ मंत्रियों के साथ तत्काल परामर्श किया गया है।

चितित परिवारों को आश्चर्य करते हुए मंत्री ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है और सरकार सभी भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में हवाई यात्रा करना किलहल जोखिम भरा है और भविष्य में किसी भी तरह के कदम उठाने से पहले जानकारों से परामर्श लिया जा रहा है।

जोशी ने कहा कि दुबई में फंसे लोगों की सहायता के लिए भी प्रयास जारी हैं, जहां उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा, किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं।

पश्चिम एशिया में फंसे कर्नाटक के 109 लोगों को वापस लाने के प्रयास जारी : राजस्व मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। युद्धप्रस्त पश्चिम एशिया में कर्नाटक के 109 लोग फंसे हुए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या के कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, 100 लोग दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में फंसे हुए हैं, जबकि नौ लोग बहरीन में फंसे हुए हैं। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने पत्रकारों से कहा कि राज्य

सरकार खाड़ी देशों में फंसे लोगों को वापस लाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि लोग पूछ रहे हैं कि क्या उनकी वापसी के लिए बचाव उड़ानें या विशेष उड़ानें आयोजित की जा रही हैं।

मंत्री ने कहा, "हमने इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है और उससे हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। केंद्र सरकार ने हमें सूचित किया है कि चूंकि यहां हवाई यातायात किलहल प्रतिबंधित है, इसलिए अभी कोई भी उड़ान संचालित नहीं हो सकती।

हालांकि, जैसे ही हवाई यातायात सामान्य हो जाएगा और उड़ानों को संचालन की अनुमति मिल जाएगी, तो केंद्र सरकार नागरिकों की वापसी के लिए विशेष उड़ानों या नियमित एयरलाइन सेवाओं की व्यवस्था करेगी।" गौड़ा के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में फंसे 109 लोगों ने हेल्पलाइन पर अपने बारे में जानकारी साझा की है। मंत्री ने कहा कि सरकार यहां फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए भारत सरकार, विशेष रूप से विदेश मंत्रालय के साथ नियमित संपर्क में है।



स्वच्छता आंदोलन परिवार द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्ली। स्वच्छता आंदोलन परिवार ने राजनीतिक कारणों से अंतर्गत स्वच्छ केशवापुर

अभियान का आयोजन वार्ड नं. 44 में आईसीआई भवन के पीछे स्थित मधुरा चेतना कॉलोनी के उद्यान के आसपास साफसफाई की गई। कार्यक्रम में विधायक महेश तेंगिनकाई ने भाग लेकर स्वच्छता कार्य का शुभारंभ किया और

नागरिकों में जागरूकता उत्पन्न की। महानगर पालिका सदस्य श्रीमती उमा मुकुंद तथा धी. मुकुंद भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा हुब्ली-धारवाड़ केंद्रीय (73) के सचिव विनोदकुमार पट्टवा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

टी नरसीपुरा में रेशम कारखाने को बंद करने का सवाल ही नहीं : मंत्री महादेवप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मंत्री एच. सी. महादेवप्पा ने सोमवार को जोर देकर कहा कि मैसूरु जिले के टी नरसीपुरा में रेशम कारखाने को बंद करने का कोई सवाल ही नहीं उठता और उन्होंने भाजपा पर इस मुद्दे पर अनावश्यक भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक की आलोचना का जवाब देते हुए महादेवप्पा ने कहा कि सरकार ने पहले रेशम बाजार के लिए इन्फ्रेस्ट्रक्चर का रूढ़ि डेड एकड़ जमीन को पार्क के विकास के लिए आवंटित करने का फैसला किया था, लेकिन अब इस आदेश की समीक्षा की गई है।



उन्होंने कहा, उस जमीन पर स्टेडियम का निर्माण नहीं किया जाएगा। हमारे लिए रेशम कारखाना प्राथमिकता है। सरकार के लिए इस मामले में प्रतिष्ठा का कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रमिकों और जनता को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने रेशम कारखाने के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और यह

सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि इकाई को कोई नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। भाजपा ने राजनीतिक कारणों से भ्रम पैदा किया है।

महादेवप्पा ने कहा कि उन्होंने खेल और रेशम विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की है और यदि अत्यावश्यक पाया गया तो उस भूमि पर स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव रद्द कर दिया जाएगा।

इससे पहले अशोक ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया था कि कांग्रेस सरकार एक खेल स्टेडियम परियोजना की आड़ में केएसआईसी की 'टी नरसीपुरा यार्ड रीलिंग यूनित' (भाग कान्ते की इकाई) से संबंधित पांच एकड़ बफर भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रही है।

शादी को लेकर ज्योतिषी की भविष्यवाणी के बाद महिला ने खुदकुशी की : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। शहर में 27 साल की एक युवती ने कथित तौर पर यहां अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वह अपनी शादी के बारे में एक ज्योतिषी की भविष्यवाणी से परेशान थी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार को बगलागुटे इलाके में घटी। मृतका की पहचान विद्याज्योति के तौर पर हुई है, जिसके दूसरी जाति के एक व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध थे।

पुलिस ने बताया कि दोनों परिवार उनकी शादी के लिए राजी हो गए थे। शुरुआती जांच का हवाला देते हुए, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उसके माता-पिता ने हाल में एक ज्योतिषी से सलाह ली थी, जिसने कथित तौर पर भविष्यवाणी की थी कि शादी के दो साल बाद दंपति के बीच गलतफहमियां हो सकती हैं, जिससे शायद वे अलग हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इसे टालने के लिए, ज्योतिषी ने कथित तौर पर नौ दिन का एक अनुष्ठान करने

की सलाह दी और परिवार ने ऐसा ही किया। हालांकि, अनुष्ठान के नौ दिनों में, विद्याज्योति कथित तौर पर अपने कमरे में गईं और छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। इस दौरान उसके माता-पिता घर पर नहीं थे। घटना का पता शाम को तब चला जब बार-बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी उसने कोई जवाब नहीं दिया। पुलिस ने बताया कि बाद में उसके पिता ने दरवाजा तोड़ा और उसे फंदे से लटका हुआ पाया। बगलागुटे पुलिस ने अपराकृतिक मृत्यु रिपोर्ट (यूडीआर) दर्ज की है और आगे की जांच जारी है।

बंगलूरु में पत्नी की हत्या के बाद पति ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। बंगलूरु के बाहरी इलाके में एक किराए के मकान में पत्नी से झगड़े के बाद कथित तौर पर उसकी हत्या करने के बाद एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दीपशा सबावा (31) और उसकी पत्नी मंजुला सबावा (27) ओडिशा के रहने वाले थे। दंपति बोम्मासंद्रा की एक निजी कंपनी में काम करते थे।

उन्होंने बताया कि अनेकल तालुक में घटी यह घटना 26 फरवरी को सामने आई, और शव सड़ी-गली अवस्था में पाए गए, जिससे संकेत मिलता है कि मौत पहले ही हो चुकी थी। पुलिस के

अनुसार, मकान मालिक शिवकुमार ने 20 दिन पहले यह मकान दंपति को किराए पर दिया था। बृहस्पतिवार रात को शिवकुमार की मां उन्हें देखने गईं तो उन्हें सोफे पर एक महिला का शव मिला। शिवकुमार ने तुरंत सूर्य नगर पुलिस को सूचना दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए बताया कि घरेलू मुद्दों को लेकर दंपति के बीच झगड़ा हुआ था। गुरसे में आकर उसने कथित तौर पर पत्नी को पीटा और धुंसे मारे, जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में उसने भी घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बताया कि सूर्य नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया गया।

धरना



बंगलूरु में सोमवार को स्टेट आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स फेडरेशन के सदस्य अपनी अलग-अलग मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर फ्रीडम पार्क में धरना देते हुए।

तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर दीपम विवाद : स्टालिन ने सरकार के रुख का बचाव किया

चेन्नई/दक्षिण भारत। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर में दीप प्रज्वलन विवाद पर राज्य सरकार के रुख का बचाव करते हुए कहा है कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को तिरुप्परनकुंद्रम स्थित अरुलमिगु सुब्रह्मण्य स्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना करने के बाद आई है। स्टालिन ने एक मार्च को अपने 73वें जन्मदिन पर जारी एक वीडियो में कहा कि उनकी

सरकार ने तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर एक पत्थर के स्तंभ पर कार्तिनाई दीपम जलाने के विवाद पर अपने रुख का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने मंदिर की परंपरा की रक्षा करने का विकल्प चुना, न कि एक धार्मिक नेता के रूप में।

स्टालिन ने संदेश में कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि व्यक्तिगत आस्था को राजनीति के आगे नहीं झुकना चाहिए। तर्क और आस्था के बीच गतिरोध की आवश्यकता नहीं है, दोनों समाज के दो पहलू हैं। मंदिर में रविवार शाम को पूजा-अर्चना के

करने के बाद प्रधानमंत्री ने मद्रु में राजग की एक रैली को संबोधित करते हुए द्रमुक सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सरकार पर तिरुप्परनकुंद्रम दीपम प्रज्वलन मुद्दे पर लोगों की भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता बरतने का आरोप लगाया और कहा कि अंततः श्रद्धालुओं की ही जीत होगी।

तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास स्थित 'दीपपूज' पर दीप जलाने को लेकर हुए विवाद में मद्रास उच्च न्यायालय ने हिंदुओं को कार्तिनाई दीपम महोत्सव के दौरान दीप जलाने की अनुमति दी थी।

उत्तरी तमिलनाडु में तीन महीने की भीषण गर्मी की चेतावनी, पश्चिमी घाट में मध्यम बारिश की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो दिनों में पश्चिमी घाट के जिलों में मध्यम वर्षा का पूर्वानुमान लगाया है, साथ ही उत्तरी तमिलनाडु में अगले तीन महीनों तक चलने वाली भीषण गर्मी की चेतावनी भी जारी की है। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, हालांकि इस वर्ष तमिलनाडु में शीत ऋतु सामान्य से अधिक समय तक चली, लेकिन आगामी ग्रीष्म ऋतु में काफी अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि राज्य के उत्तरी जिलों में तापमान में लगातार वृद्धि होने की संभावना है और इस महीने से लेकर मई तक लू की स्थिति बनी रहने का अनुमान है।



तमिलनाडु में अधिकतम तापमान सामान्य स्तर से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। राज्य के उत्तरी भागों में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है, जिसके चलते अधिकारियों ने निवासियों को गर्मी से संबंधित बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी है।

भीषण गर्मी की आशंका के बावजूद, राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश के रूप में राहत मिल सकती है। कोमरिन सागर और आसपास के क्षेत्रों में बने निम्न दबाव के तंत्र के कारण अगले पांच दिनों तक पश्चिमी घाट के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो सकती है, जिससे मौसम अपेक्षाकृत ठंडा रहेगा। इसके अलावा बुधवार को दक्षिणी तमिलनाडु के तटीय जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। हालांकि, राज्य के अधिकांश अन्य जिलों में आने वाले दिनों में शुष्क मौसम रहने की आशंका है। आईएमडी ने यह भी बताया कि पश्चिमी घाट के जिलों के साथ-साथ चेन्नई सहित तटीय क्षेत्रों में सुबह के शुरुआती घंटों में हल्की धुंध या कोहरा देखा जा सकता है।

मौसम में बदलाव के दौरान ऐसी स्थितियां आम होती हैं, लेकिन इससे सुबह के समय दृश्यता थोड़ी कम हो सकती है। अधिकारियों ने विशेष रूप से बुजुर्गों और बच्चों जैसे कमजोर समूहों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और लंबे समय तक धूप में रहने से बचने का आग्रह किया है क्योंकि तमिलनाडु भीषण गर्मी के मौसम के लिए तैयार हो रहा है।

ಕರ್ನಾಟಕ ಚಲನಚಿತ್ರ ಅಕಾಡೆಮಿ
Karnataka Chalanachitra Academy
ಕನ್ನಡ ಚಲನಚಿತ್ರ ಅಮೃತೋತ್ಸವ ಧ್ವಜ ಸಂಚರಣೆ, ನಂ. 20/ಎ, ಸಂದಿನಿ ಆರ್ಟ್‌ಜೆಟ್, ಬೆಂಗಳೂರು-560096. ದೂರವಾರ್ತೆ: 080-23493410
ಇ-ಮೇಲ್: chalanachitraacademy@gmail.com
ನಂ: ಕೆಆರ್/ನಾಸಂ/ಬಾಡಿ/ಇ-ಇ-ಬೆಂಕೆ/1535/2025-26 ದಿನಾಂಕ: 02.03.2026
ಕರ್ನಾಟಕ ಚಲನಚಿತ್ರ ಅಕಾಡೆಮಿಗಾಗಿ ಮಾಹಿತಿ
ಆಧಾರದಲ್ಲಿದ್ದ ವಾಹನಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲು
ಇ-ಟೆಂಡರ್ ಪ್ರಕ್ರಿಯೆ
2026-27ನೇ ಸಾಲಿನಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕ ಚಲನಚಿತ್ರ ಅಕಾಡೆಮಿಗಾಗಿ ಮಾಹಿತಿ ಬಾಡಿಗೆ ಆಧಾರದಲ್ಲಿದ್ದ ವಾಹನಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸುವ ವ್ಯವಸ್ಥೆಗೆ ತಗಲುವ ವೆಚ್ಚದ ಕುರಿತಂತೆ ಇ-ಇಲಾಖೆಯ ಇ-ಪ್ರೋಕ್ಯೂರಮೆಂಟ್‌ನಲ್ಲಿ ಹೆಸರನ್ನು ನೋಂದಾಯಿಸಿ ಕೊಂಡಿರುವ ಟೆಂಡರ್‌ದಾರರಿಂದ ಅಲಾವಧಿ ಇ-ಟೆಂಡರ್‌ನ್ನು ಅಪ್‌ಲೋಡ್ ಮಾಡಿ. ಟೆಂಡರ್‌ನಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸುವವರು ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರದ ಇ-ಪ್ರೋಕ್ಯೂರಮೆಂಟ್ ವೆಬ್‌ಸೈಟ್ <https://kppp.karnataka.gov.in> ನಲ್ಲಿ ಲಾಗಿನ್ ಆಗಿ ದಿನಾಂಕ: 02.03.2026 ರಂದು ಮಧ್ಯಾಹ್ನ 3.00 ಗಂಟೆ ನಂತರ ಡೌನ್‌ಲೋಡ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬಹುದು.
ಇ-ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ಇಎಂಡಿ ಮೊತ್ತ ರೂ. 12,500/- (ರೂ. ಹನ್ನೆರಡು ಸಾವಿರರ ಐದು ನೂರು)ಗಳನ್ನು ಇ-ಪೇಪರ್‌ಮಾನ್ಡ್ ಮೂಲಕ ದಿನಾಂಕ: 16.03.2026ರ ಸಂಜೆ 5.30 ಗಂಟೆಯೊಳಗೆ ಸಲ್ಲಿಸಬಹುದು. ಟೆಂಡರ್‌ನಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಲು ಇಚ್ಛಿಸುವ ಟೆಂಡರ್‌ದಾರರು ಅರ್ಜಿ ಪರಿಶೀಲನೆಗಾಗಿ ವಿವರ ಇ-ಪ್ರೋಕ್ಯೂರಮೆಂಟ್ ವೆಬ್‌ಸೈಟ್ <https://kppp.karnataka.gov.in> ನಿಂದ ಪಡೆದುಕೊಳ್ಳಬಹುದು. ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ ಇ-ಪ್ರೋಕ್ಯೂರಮೆಂಟ್ ಹೆಲ್ಪ್ ಡೆಸ್ಕ್ ದೂರವಾರ್ತೆ ಸಂಖ್ಯೆ: +91-080-46010000, +91-080-68948777ನ್ನು ಹಾಗೂ ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿ ಬೇಕಾದಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕ ಚಲನಚಿತ್ರ ಅಕಾಡೆಮಿ ವಿಜ್ಞಾನಿ ಕಛೇರಿ (080-23493410)ಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಬಹುದು. ಟೆಂಡರ್‌ನ ಅಂದಾಜು ಮೊತ್ತ ರೂ. 10.00 ಲಕ್ಷಗಳು.
ಸಹಿ/ ವಿಜ್ಞಾನಿ
DIPRI/CP/5928/SA/2025-26

फागोत्सव



बारों में सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला कोटा में ऑर्गनाइज्ड बृज फागोत्सव और संकीर्तन प्रोग्राम में शामिल होते हुए।

हवाई सेवा बंद होने से राजस्थान के लोग दुबई में फंसे, परिजनों ने सरकार से मांगी मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ईरान पर इजरायल-अमेरिका के हवाई हमलों के बाद मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, खाड़ी क्षेत्र के कुछ हिस्सों के लिए उड़ान सेवाएं बाधित हो गई हैं। कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे राजस्थान के कई लोग दुबई और अबू धाबी में फंस गए हैं। राजस्थान के डींग जिले से ज्योतिषियों का एक समूह 28 फरवरी को दुबई में एक ज्योतिष सम्मेलन में भाग लेने के लिए गया था। उन्हें 1 मार्च को भारत लौटना था, लेकिन अचानक हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगने के कारण उनकी उड़ानें रद्द हो गईं। फंसे हुए लोगों में डींग के ज्योतिषी रंगनाथ शर्मा भी शामिल हैं, जो दुबई में ही हैं। वहीं जयपुर से दुबई, अबू धाबी और शारजाह जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। साथ ही, जयपुर हवाई अड्डे से खाड़ी देशों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक चेतावनी जारी की है।



अचानक हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ानें रद्द होने से जोधपुर, कोटा और सीकर के 100 से अधिक छात्र और अन्य निवासी फंसे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने बताया कि उड़ानें रद्द होने की घोषणा के बाद उन्हें हवाई अड्डे से पास के होटलों में पहुंचाया गया। कुछ फंसे हुए छात्रों ने दावा किया कि उन्होंने दुबई और अबू धाबी हवाई अड्डों के पास विस्फोटों की आवाज सुनाई दे रही है, जिससे हम लोगों को डर लग रहा है। दुबई के एकेडमी एजुकेशनल जॉन में रह रहे कोटा के छात्र सिद्धार्थ जैन ने बताया कि उनके हॉस्टल के पास एक मिसाइल गिरी थी। उन्होंने अपने परिवार को तस्वीरें और वीडियो भेजे, जिनमें उन्होंने बताया कि रुक-रुक कर धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। कोटा की एक अन्य छात्रा, ताच्या, कनाडा से भारत लौटते समय अबू धाबी में फंस गई है। जोधपुर से आए लगभग 120 तीर्थयात्री अबू धाबी में फंसे हुए हैं। वे बड़ा रामद्वारा सुरसागर के संत अमृतराम महाराज की ओर से 24 से 28 फरवरी तक आयोजित धार्मिक प्रवचन (कथा) में भाग लेने के लिए दुबई गए थे। कथा के समापन के बाद, यह समूह शनिवार को अबू धाबी हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां उन्हें सूचित किया गया कि उनकी वापसी की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

तापमान सामान्य से ऊपर

जयपुर। राजस्थान में तापमान बढ़ने लगा है और सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। बीते चौबीस घंटे में प्रदेश के फतेहपुर में अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार इस समय राज्य के अधिकांश भागों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान सामान्य से 2-6 डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज किया जा रहा है। इसके अनुसार राज्य के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आगामी दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की पूरी संभावना है।

भीलवाड़ा में अनियंत्रित कार पुल से गिरी, दो लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर रविवार को तेज रफ्तार एक वैन बेकाबू होकर पुल से नीचे जा गिरी, जिससे उसमें सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई और परिवार के चार अन्य सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा गुलाबपुरा

थाना क्षेत्र में विजय गोशाला के पास हुआ। गुलाबपुरा थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि टॉक जिले के लाम्बा हरिसिंह कर्बा निवासी नौरत जांगड़ (50) रविवार सुबह अपने परिवार के साथ चित्तौड़गढ़ के सावलिया सेठ मंदिर के दर्शन कर लौट रहे थे तभी दोपहर में विजय गोशाला के सामने उनकी वैन बेकाबू होकर पुल से नीचे गिर गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को वाहन से बाहर निकाला। गुर्जर ने बताया कि सभी को पहले विजयनगर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल रेफर किया गया। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान चिकित्सकों ने नौरत और उनके पुत्र एवं वैन चालक कालू जांगड़ (25) को मृत घोषित कर दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना में इन्द्रा, यश(छह), कोमल (28) और गौरव (11) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।



मोदी द्वारा भगवान झुलेलाल के जयकारे पर सिंधी समाज ने जताया आभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अजमेर के कायड विश्रामस्थली में आयोजित विशाल जनसभा के दौरान भगवान झुलेलाल के जयकारे लगाने पर सिंधी समाज ने उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। समाज के प्रतिनिधियों ने इसे सिंधी समाज की आस्था एवं सांस्कृतिक गौरव के प्रति सम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि इससे समाज में विशेष उत्साह एवं आत्मीयता का वातावरण निर्मित हुआ है। इसी क्रम में चेटीचंड महोत्सव को व्यापक, वृहद एवं सर्वसमाज की सहभागिता के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाने के उद्देश्य से दिल्ली गेट स्थित झुलेलाल धाम में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में माननीय विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनागी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजन को भव्य स्वरूप देने की कार्ययोजना तैयार की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि चेटीचंड महोत्सव सर्वसमाज की सहभागिता के साथ सोहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाए तथा शोभायात्रा, झांकियों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में अनुशासन, सुरक्षा एवं समन्वय का विशेष ध्यान रखा जाए। इसमें आगामी 19 से 21 मार्च तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय चेटीचंड मेले की रूपरेखा पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। पूज्य लाल साहिब मंदिर सेवा ट्रस्ट झुलेलाल धाम की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए। ट्रस्ट के महासचिव जयकिशन पारवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 मार्च को निकलने वाली भव्य शोभायात्रा सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित एवं गरिमान्वय ढंग से आयोजित करने के लिए व्यापक तैयारियों की जा रही हैं। प्रधान ट्रस्टी प्रभु लौंगानी ने बताया कि इस आयोजन को समाज की एकता, सांस्कृतिक परंपरा एवं धार्मिक आस्था के प्रतीक के रूप में मनाया जाएगा। बैठक में सिंधी समाज की धार्मिक, शैक्षणिक, व्यवसायिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित झांकियों सजाकर लाने वाली संस्थाएँ, पूज्य सिंधी पंचायत के सदस्य एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आयोजन को तिहासिक एवं यादगार बनाने का संकल्प लिया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में विराजमान पूज्य झुलेलाल साहिब एवं अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के समक्ष सामूहिक रूप से फाग महोत्सव मनाया गया।

चालक पर हमला करने के आरोप में वाहन निरीक्षक निलंबित

जयपुर। राजस्थान के चूरु जिले में परिवहन विभाग के मोटर वाहन निरीक्षक को एक ट्रक चालक पर हमला करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। यह घटना शनिवार को सुजानगढ़ में हुई और घटना का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में वाहन निरीक्षक सुरेश विश्वाई एक चालक से बहस करता दिख रहा है, उसने कथित तौर पर उसके सिर मारा जिससे चालक की आंख के पास घोट लगी और खून बहने लगा। इस मामले में कारवाई करते हुए परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा ने उसे निलंबित कर दिया। परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक को रतनगढ़ में जांच के लिए रोका गया और उसके ड्राइविंग लाइसेंस को लेकर बहस हो गई जिसके दौरान निरीक्षक ने कथित तौर पर उसका मोबाइल फोन छीन लिया और उसके सिर पर मारा। चालक की आंख के पास से खून बहने लगा। निरीक्षक ने घायल चालक को अस्पताल ले जाने की कोशिश की लेकिन मॉके पर मौजूद लोगों ने उस पर बार-बार ऐसी हकतें करने का आरोप लगाते हुए एतराज किया और लोगों के गुरसे के बीच वह मॉके से चला गया।

शिरकत



जयपुर स्थित जय क्लब में हूँदाड़ परिषद द्वारा आयोजित 13वें फागोत्सव 'हूँदाड़ की धमाल' में शिरकत करती उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी।

ननद-भाभी के शव पेड़ से लटके मिले : पुलिस

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के बीकानेर जिले में दो युवतियों के शव पेड़ से लटके मिले, पुलिस के अनुसार दोनों महिलायें रिश्ते में ननद-भाभी थीं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना खाजूवाला थाने के चक 33 केवाईडी का है। गांव के पास वन विभाग की नर्सरी में रविवार रात दो युवतियों के शव एक ही पेड़ से लटके मिले। सूचना मिलने पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। वृत्ताधिकारी अमरजीत चालवा ने बताया कि मृतकों की पहचान विवाहिता रत्नी देवी (19) और माया नायक (20) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों रिश्ते में ननद-भाभी थीं, कथित तौर पर दोनों ने अपनी-अपनी चुन्नी से फंदा बनाकर पेड़ से लटककर जान दे दी। उन्होंने बताया कि विवाहिता के परिवार की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर एक मामला दर्ज किया गया है।



गोविंददेव मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया होली उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गोविंददेव मंदिर में होली उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह विशेष झांकियां सजाई गईं और 10:30 बजे ठाकुर जी को फूलों की होली अर्पित की गई।

राजभोग झांकी में गुलाल चढ़ाकर आरती की। मंदिर परिसर में चंग की थाप और होली गीतों के बीच भक्त रंगों में सराबोर दिखे। पुजारियों ने पिचकारी से पानी की बोझार की। पूरा मंदिर परिसर गुलाल के रंगों से रंगा नजर आया। भक्तों ने एक-दूसरे पर गुलाल फेंककर उत्सव में भाग लिया। मंदिर में दर्शन करने आए भक्तों की ओर से एक-दूसरे को होली की बधाई दी और रंग लगाया। भक्तों में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां भी मौजूद रही। सभी लोग जयकारे लगाते हुए नजर आए। भारी भीड़ के चलते दर्शन की विशेष व्यवस्था रही। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सावधानी बताने की अपील की है।

खामोशी से कामयाबी तक : सुनने में अक्षम पर हौसलों की लंबी उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

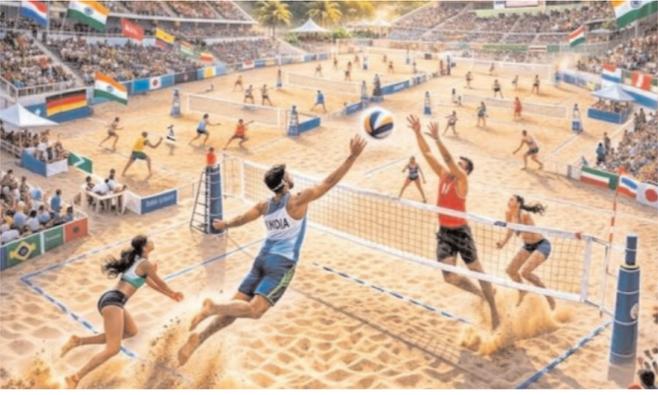
जयपुर। किशोरावस्था में कान के संक्रमण ने जब सुनने की शक्ति छीन ली तो विजयेश कुमार पंड्या के लिए घर और स्कूल की रौनकें अचानक खामोश हो गयीं लेकिन होंठों की 'हलचल' पढ़कर उन्होंने पढ़ाई जारी रखी, शिक्षक बने और वर्ष 2015 में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएसएस) में चयन के साथ उस खामोशी को ही अपनी ताकत में बदल दिया। प्रतापगढ़ जिले में अतिरिक्त जिलाधिकारी पंड्या ने बताया, 1996

तक में सामान्य रूप से सुन सकता था, लेकिन 15 वर्ष की उम्र में कान के संक्रमण ने मेरी सुनने की शक्ति छीन ली। उन्होंने कहा, 1996 में दसवीं, 1998 में 12वीं पास की और 2005 में तृतीय श्रेणी अध्यापक में चयन हुआ। लगातार मेहनत से 2015 में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएसएस) में चयन हुआ। सुनने में असमर्थ लोगों का मनोबल बढ़ाते हुए पंड्या ने कहा, अपनी इस कमी को हाताशान बनाने दें। इसे ताकत बनाकर आगे बढ़ें। कुछ ऐसी ही कहानी नागौर जिले के मेड़ता सिटी निवासी दिनेश के बेटे युवराज की है। दिनेश ने बताया, मेरा बेटा युवराज सोनी जब पांच वर्ष का था, तब उसे बुखार आया। छह महीने तक अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़े। बुखार तो ठीक हो गया, लेकिन बाद में महसूस हुआ कि उसे कम सुनाई देने लगा है। दिनेश ने कहा, इस बीच, युवराज ने निशानेबाजी में रुचि दिखाई। वर्ष 2023 में उसने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा शुरू की और आज अपने जज्बे के बल पर राष्ट्रीय स्तर के लिए योग्यतन हो चुका है। जयपुर के प्रताप नगर निवासी जितेंद्र अग्रवाल ने बताया कि उनके बेटे मिलिन ने दिमागी बुखार के बाद नौ माह की उम्र में सुनने की क्षमता खो दी थी। जितेंद्र ने कहा, मिलिन का सपना

इयेंट प्रबंधन में बीबीए कर रही कौशिक ने कहा, उस समय में बहुत घबरा गई थी, लेकिन परिवार ने हौसला दिया। वही हौसला मेरी ताकत बना और मैंने पढ़ाई जारी रखी। इन सभी के हौसलों को पंख देने में 'काॅन्विलियर इम्प्लॉंट' मुख्य कारक रहा। इन्होंने चिकित्सीय उपचार की मदद से अपनी सुनने की क्षमता वापस हासिल की और अपने सपनों को पूरा किया। 'काॅन्विलियर इम्प्लॉंट' एक शल्य-चिकित्सीय उपकरण है, जो कान के क्षतिग्रस्त हिस्से को बाईपास कर सीधे श्रवण तंत्रिका को संकेत भेजता है, ताकि गंभीर रूप से सुनने में असमर्थ व्यक्ति

ध्वनियां सुन सके। सवाई मानसिंह अस्पताल के नाक-कान-गला विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. मोहनश्री शोकर ने बताया कि हर वर्ष सात मार्च को विश्व श्रवण दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य सुनने से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, श्रीगंगानगर और भीलवाड़ा में अब तक करीब 1,600 से 1,700 काॅन्विलियर इम्प्लॉंट किए जा चुके हैं। सरकारी सहायता के बारे में उन्होंने कहा, प्रति ऑपरेशन का खर्च एक-दूसरे पर गुलाल फेंककर उत्सव में भाग लिया। मंदिर में दर्शन

बधा दो वर्ष से कम आयु का है और दोनों कानों से सुन नहीं पा रहा है, तो ऐसे बच्चों का दोनों कानों का ऑपरेशन निशुल्क कराया जाता है। अभिभावकों को सलाह देते हुए डॉ. शोकर ने कहा, जन्म के तुरंत बाद बच्चे की सुनने की क्षमता की जांच करानी चाहिए। काॅन्विलियर इम्प्लॉंट जितना जल्दी कराया जाए, परिणाम उतने बेहतर होते हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी नियमों के अनुसार चार वर्ष की आयु तक बच्चों का ऑपरेशन निशुल्क किया जाता है। ऑपरेशन के बाद स्पीच थेरेपी भी अत्यंत आवश्यक है और यह सुविधा भी सरकार की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।



केआईआईटी विवि करेगा एफआईवीबी वॉलीबॉल वर्ल्ड बीच प्रो टूर की मेजबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ 4 मार्च को होगा आगाज

■ 52 देशों की टीमों लेंगी भाग

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। शहर एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है, क्योंकि एफआईवीबी वॉलीबॉल वर्ल्ड बीच प्रो टूर (एफआईवीबी) 4 से 8 मार्च तक केआईआईटी विश्वविद्यालय में ओडिशा में पहली बार आयोजित किया जाएगा।

यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप, जो भारत में पहली बार किसी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी, 52 देशों की 82 टीमों को एकसाथ लाएगी। इसमें ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं सहित 306 मान्यता प्राप्त खिलाड़ियों और अधिकारी भाग लेंगे।

यह टूर्नामेंट दुर्लभ एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसे केआईआईटी परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के बीच वॉलीबॉल एरीना में परिवर्तित किया गया है। कार्यक्रम का संचालन संचालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। व्यवस्थाओं की निगरानी

केआईआईटी और केआईआईएस के संस्थापक डॉ. अश्वत्थ सामंत के मार्गदर्शन में की जा रही है। उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा, आवास, प्रशिक्षण सुविधाओं और आतिथ्य से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की है, ताकि आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप संपन्न हो।

भुवनेश्वर में इस चैंपियनशिप की घोषणा एफआईवीबी के अध्यक्ष फेबियो अजेवेदो ने पिछले साल दिसंबर में वॉलीबॉल ग्रैंड प्रिक्स के अवसर पर केआईआईटी और केआईआईएस के दौर के समय की थी।

केआईआईटी में वर्ल्ड-क्लास खेलकूद इंफ्रास्ट्रक्चर और ओडिशा के अच्छे खेल माहौल से प्रभावित होकर अजेवेदो ने घोषणा की कि एफआईवीबी बीच वॉलीबॉल इवेंट केआईआईटी और केआईआईएस के सहयोग से राज्य में लगातार तीन साल 2026, 2027 और 2028

आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर डॉ. सामंत ने कहा कि केआईआईटी और केआईआईएस ने खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के विकास के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने कहा, 'वॉलीबॉल एक प्रामाणिक खेल है और ओलंपिक खेल भी है। पिछले आठ वर्षों से, हमने इसके विकास के लिए लगातार कदम उठाए हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों की भागीदारी को बढ़ावा दिया है।'

चैंपियनशिप में 82 अंतरराष्ट्रीय टीमों के 164 एलीट एथलीट हिस्सा लेंगे। उनके अलावा अंतरराष्ट्रीय रेफरी और वरिष्ठ एफआईवीबी अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। मैचों को वॉलीबॉल वर्ल्ड टीवी के जरिए दुनियाभर में लाइव ब्रॉडकास्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट 8 मार्च को ब्रांज मेडल मैच, गोल्ड मेडल फाइनल और अवॉर्ड सेरेमनी के साथ संपन्न होगा।

बंगाल में भाजपा सरकार बनने के एक माह के भीतर अपराधी जेल में होंगे : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावड़ा (प. बंगाल)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार आने के एक महीने के भीतर अपराधी 'जेल में होंगे या भगवान जाने कहां'। उन्होंने, हालांकि कहा कि बंगाल में बेरोजगारी समाप्त करने में लगभग पांच से 10 साल लगेगे।

सिंह हावड़ा जिले के अमदा में आयोजित 'परिवर्तन यात्रा' रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'बंगाल में भाजपा सरकार बनने के एक महीने के भीतर, अपराधी या तो जेल में होंगे, या भगवान जाने कहां।' उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में भाजपा सरकार युवाओं के लिए रोजगार पैदा करेगी। सिंह ने कहा, 'यहां बेरोजगारी की समस्या को समाप्त करने में हमें पांच से 10 साल लगेगे।'



केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि 2011 में तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से 7,000 कंपनियों राज्य छोड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर उद्योग और युवा बेहतर अवसरों की तलाश में राज्य से बाहर जा रहे हैं, वहीं 'यहां की सरकार खुले तौर पर अवैध प्रवासियों को आमंत्रित कर रही है'।

सिंह ने दावा किया कि यदि राज्य में भाजपा सत्ता में आती है तो

वह घुसपैठ पर रोक लगाएगी। उन्होंने कहा, 'हम राज्य से हर अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे।' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे राज्य में 'डबल इंजन' सरकार, यानी बंगाल और केंद्र, दोनों जगह भाजपा की सरकार सुनिश्चित करें। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में लोगों को विभाजित कर रही है। उन्होंने कहा, 'भाजपा केवल

सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि समाज सुधारने के लिए राजनीति करती है, जबकि तृणमूल कांग्रेस के लोगों को विभाजित कर रही है।' उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से पूछा, 'राज्य में अपराध में लित लोगों को सजा क्यों नहीं दी जाती? आप 15 साल से सरकार चला रही हैं, पश्चिम बंगाल में गरीबी क्यों नहीं मिटाई गई और महिलाएं सुरक्षित क्यों महसूस नहीं करती?'

बनर्जी पर अपराधियों को तरजीह देने का आरोप लगाते हुए सिंह ने कहा, 'उनका (ममता का) एक विशेष धर्म के लोगों के लिए है।' उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों का अब यह मानना है कि उनकी (बनर्जी की) सरकार में उनका कोई नुकसान नहीं होगा।

सिंह ने दावा किया कि राष्ट्रीय अपराध रिपोर्ट ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं पर अत्याचार की सबसे अधिक घटनाएं बंगाल में होती हैं। उन्होंने आरोप लगाया, 'बंगाल में कानून तोड़ने वाले ही हावी हैं, कानून नहीं।'

रक्षा मंत्री ने कहा कि बंगाल में बदलाव का समय आ गया है। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल के लोगों से अपील की कि इस बार चुनाव में (भाजपा के पक्ष में) किसी भी तरह की हिचकिचाहट न करें। उन्होंने कहा, 'बंगाल की धरती साफ-साफ संदेश दे रही है कि तृणमूल की अत्याचारों की कहानी अब राज्य में जारी नहीं रह सकेगी।'

रांची पुलिस ने देह व्यापार गिरोह का मंडाफोड़ किया, आठ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। रांची पुलिस ने शहर के रेलवे स्टेशन के पास एक होटल पर छापा मारकर देह व्यापार से जुड़े एक गिरोह का मंडाफोड़ किया और आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन को सूचना मिलने के बाद रविवार रात को चुटिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले होटल में छापा मारा गया।

शहर के एसपी पारस राणा ने कहा, हमने पांच महिलाओं सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से चार पश्चिम बंगाल की हैं। रांची रेलवे स्टेशन के पास एक

होटल में छापेमारी के दौरान इन्हें पकड़ा गया। सूचना मिली थी कि कुछ लोग देह व्यापार गिरोह का चला रहे हैं।

राणा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि गिरफ्तार की गई पांच महिलाओं में से तीन कोलकाता की और एक सिलीगुड़ी की है, जबकि पांचवीं महिला, जिसे इस गिरोह की सरगना बताया जा रहा है, रांची के अरगंडा पुलिस थाना क्षेत्र की रहने वाली है।

एसपी ने बताया कि रांची की रहने वाली यह महिला इससे पहले 25 दिनों तक जेल में रह चुकी थी।

आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि चुटिया पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

रांची के रातू में हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिले में सोमवार को एक जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना राजधानी रांची से लगभग 18 किलोमीटर दूर, रातू पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत चिककोटा गांव में हुई।

रातू पुलिस थाना प्रभारी रामनारायण सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'चिककोटा गांव में सुबह करीब 9:30 बजे एक जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला।'

रांची के सभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) श्रीकांत वर्मा ने बताया कि इस घटना में एक

व्यक्ति घायल भी हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान सुबोध खलखो (30) के रूप में हुई है।

वन विभाग के अधिकारी ने बताया, 'घटना के तुरंत बाद वन विभाग की एक टीम ने गांव का दौरा किया और मृतक के परिवार को तत्काल राहत के रूप में 25,000 रुपये सौंपे। कुछ औपचारिक प्रक्रियाओं के बाद परिवार को पूरी मुआवजा राशि दी जाएगी। घायल व्यक्ति को 5,000 रुपये दिए गए हैं।' झारखंड सरकार हाथी के हमले में मृत्यु होने पर चार लाख रुपये का मुआवजा प्रदान करती है।

हाथी को गांव से निकालकर जंगल क्षेत्र में ले जाने के लिए एक टीम भी भेजी गई है और यह अभियान दोपहर करीब तीन बजे शुरू होगा।

झारखंड में अप्रैल में शुरू होगी एसआईआर की प्रक्रिया : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अप्रैल में शुरू होगी। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी की जाएगी।

के. रवि कुमार ने रांची में संवाददाताओं से कहा, 'निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशों के अनुसार राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अप्रैल में शुरू होगी और इससे संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।' उन्होंने बताया कि पहले चरण में विहार में एसआईआर की यह प्रक्रिया की गई, उसके बाद दूसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया की गई। तीसरे चरण में देश के शेष सभी राज्यों को शामिल किए जाने की संभावना है।

कुमार ने कहा कि मुख्य

निर्वाचन कार्यालय, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के सहयोग से, दो सितंबर को 'मतदाता पंजीकरण और मतदाता रजिस्ट्रार' पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का संयुक्त रूप से आयोजन करेगा।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा, 'इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न लोकतांत्रिक देशों, देश भर के विश्वविद्यालयों, शिक्षाविदों और चुनाव संबंधी विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के विचारों को संकलित करके मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूचियों पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करना है।'

कुमार ने कहा कि भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम)-रांची, एनयूएसआरएल रांची और सेंट जेवियर्स कॉलेज इसमें शामिल होंगे और सामूहिक रूप से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में योगदान देंगे।

अश्लील गानों से बचें, सम्मान और सौहार्द के साथ मनाएं होली : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोगों से गरिमा के साथ होली मनाएं, अश्लील गानों से बचने और रंग लगाते समय रसायनों या बल का प्रयोग करने से बचने की अपील की और कहा कि त्योहार तभी खुशी लाते हैं, जब शांति और सद्भाव के साथ मनाए जायें।

गोरखपुर के पांडेहाता में श्री श्री होलिका दहन उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'भक्त प्रह्लाद शोभायात्रा' में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि होलिका दहन इस तरीके से किया जाना चाहिए कि इससे किसी को असुविधा न हो या किसी की संपत्ति को नुकसान न हो। उन्होंने कहा, होली के गीत त्योहार की सच्ची



भावना के अनुरूप गाए जाने चाहिए। इसमें कोई अश्लीलता नहीं होनी चाहिए। जब भी गानों में अश्लीलता आती है, तो यह हमारे त्योहारों के महत्व को कम कर देता है। उन्होंने कहा, किसी के चेहरे पर जबरन रंग न लगाएं। इसमें बुराई लोभ, बच्चे, बीमार या दुख से गुजर रहे परिवार शामिल नहीं हो सकते हैं। किसी को भी मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। योगी ने लोगों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया कि किसी

भी नुकसान को रोकने के लिए होलिकादहन घरों और प्रतिष्ठानों से सुरक्षित दूरी पर आयोजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि होली अराजकता पर व्यवस्था और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पहले उत्तर प्रदेश में त्योहारों पर अक्सर तनाव और कर्फ्यू होता था, लेकिन स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा, आज कोई कर्फ्यू नहीं है, कोई दंगा नहीं है। सुरक्षा और विश्वास का माहौल है।

विदेशी शिक्षण संस्थान भारत की नवोन्मेष आधारित शिक्षा प्रणाली से जुड़े : धर्मेन्द्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सोमवार को विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों से भारत की तेजी से विकसित हो रही नवोन्मेष-आधारित शिक्षा प्रणाली के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अनिश्चितता एवं तीव्र परिवर्तन से भरी दुनिया में शिक्षा ही समाजों के बीच सबसे स्थायी संपत्ति है। प्रधान ने ये टिप्पणियां शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'भारत में पढ़े शिक्षा-राज्य सम्मेलन 2026' में अपने संबोधन में कीं। इस सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के राजदूत, उच्चायुक्त, राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधि और मंत्रालय के अधिकारी उच्च शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए थे। उन्होंने कहा,



भारत वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक उज्वल स्थान बना हुआ है, जो सीखने, अनुसंधान करने, नवाचार करने और उसे लागू करने के अपार अवसर प्रदान करता है। भारत की सबसे बड़ी ताकत इसका जीवंत ज्ञान तंत्र, जनसांख्यिकीय लाभान्श और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। (नई शिक्षा नीति) एनईपी-2020 और 'स्टडी इन इंडिया' पहल के माध्यम से, देश विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और संस्थानों के लिए वैश्विक मार्ग खोल रहा है। शिक्षा मंत्री ने कहा, 'कृत्रिम मेधा, जैव प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर से लेकर सतत ऊर्जा

तक, भारत एक विश्वसनीय नवोन्मेष भागीदार के रूप में उभर रहा है, जो सहयोग, क्षमता निर्माण और साझा ज्ञान पर आधारित वैश्विक दक्षिण मॉडल को आगे बढ़ा रहा है।' प्रधान ने कहा कि अनिश्चितता और तीव्र परिवर्तन से भरी दुनिया में शिक्षा ही समाजों के बीच सबसे स्थायी संपत्ति है, ऐसे में भारत साझेदार देशों के साथ मजबूत ज्ञान संपुर्न बनाता चलाता है। मंत्री ने प्रतिनिधियों से भारत की तेजी से विकसित हो रही, नवोन्मेष केंद्रित, बहुविधयक और सुलभ शिक्षा प्रणाली के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी ने कहा कि पिछले छह वर्षों में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 ने भारत के उच्च शिक्षा सुधारों को स्पष्ट दिशा प्रदान की है, विशेष रूप से बहुविधयक शिक्षा को बढ़ावा देने, कौशल विकास को मुख्यधारा से जोड़ने और अंतरराष्ट्रीयकरण को मजबूत करने के संदर्भ में।

ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग और भाजपा के बीच साटगांट का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर के बाद मतदाता सूची में नाम हटाए जाने को लेकर सोमवार को निर्वाचन आयोग और भाजपा पर साटगांट कर वास्तविक मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की मदद के लिए ये 'साजिश' रची गई है। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद



28 फरवरी को मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में बनर्जी ने दावा किया कि चुनावों को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए भाजपा और आयोग द्वारा 'जानबूझकर' नाम हटाए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया, 'निर्वाचन आयोग ने जानबूझकर असली मतदाताओं के नाम हटा दिए हैं। मैं स्तब्ध हूँ।

यह बहुत दुःख और अमानवीय स्थिति है।' एसआईआर के बाद मतदाता सूची में 63.66 लाख नाम हटाए गए, जो कुल मतदाताओं का 8.3 प्रतिशत है। एसआईआर के बाद राज्य में मतदाताओं की संख्या घटकर लगभग 7.04 करोड़ रह गई है। इसके अलावा 60.06 लाख से अधिक मतदाताओं को 'विचाराधीन' श्रेणी में रखा गया है, जिनकी आने वाले हफ्तों में जांच की जाएगी।

अपने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में भी 'बड़े पैमाने पर मतदाता के नाम हटाए जाने' का दावा करते हुए, बनर्जी ने कहा कि बाह्य जितने भी मतदाताओं के नाम हटा दिए जाएं, वह विजयी होंगी।

घुसपैठियों को शरण दे रही ममता बनर्जी सरकार : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संदेशखालि (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर ममता बनर्जी सरकार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह घुसपैठियों को शरण दे रही है। भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस पर घुसपैठियों के लिए फर्जी आधार और मतदाता कार्ड तैयार करने तथा क्षेत्र की जनसांख्यिकी को बदलने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया।

चौहान ने उत्तर 24 परगना जिले में 'परिवर्तन यात्रा' रैली को



संबोधित करते हुए कहा, 'ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए। बंगाल में महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद, महिलाओं के साथ बलाकार और उत्पीड़न के मामले में प्रयत्न करने से रोक जा सकेगा। चौहान ने दावा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आती है, तो वह इन सभी अपराधों के कोशिश कर रही है।'

सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने दावा किया कि तृणमूल सरकार बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं करा रही, क्योंकि इससे घुसपैठियों को भारत में प्रवेश करने से रोक जा सकेगा। चौहान ने दावा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आती है, तो वह इन सभी अपराधों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।



वृंदावन में 200 से अधिक विधवा महिलाओं ने खेली होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। सफेद साड़ियों में जिव्हा ने सोमवार को वृंदावन के ऐतिहासिक गोपीनाथ मंदिर में रंगों की खुली उड़ान भर ली। बरसों तक 'अशुभ' कहकर त्योहारों से दूर रखी गई विधवा महिलाओं ने हंसी की खनक, भक्ति की स्वर-लहरियां और उड़ते गुलाल के बीच बस् बस् बार न सिर्फ होली देखी, बल्कि उसे जीया, जैसे मानो रंगों ने उनके जीवन के सुनेपन पर दस्तक दी हो और कहां होअब वर्जनाएं नहीं, बस उत्सव।

'सुलभ इंटरनेशनल' की कार्यकारी संयोजक नित्या पाठक ने

बताया कि पांच आगमों से आई 200 से अधिक विधवा महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ उत्सव में भाग लिया। 'बंसी वाले की जय' के गूंजते जयघोषों के बीच वे मंदिर में गए जा रहे रासिया गीतों की धुन पर थिरकीं और देखते ही देखते एक-दूसरे पर एक हजार किलोग्राम से अधिक फूल तथा 700 किलोग्राम गुलाल उड़ा दिया।

नित्या ने कहा, पूरा मंदिर परिसर भक्ति में डूब गया और महिलाओं में होली खेलने को लेकर अपार उत्साह दिखा गया। उन्होंने कहा, बीते वर्षों में हमने इस आयोजन में भाग लेने वाली विधवा महिलाओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी है। यह बदलाव की वही आहट है, जिसे इन महिलाओं

ने खुले दिल से स्वीकार किया है और अब वे ऐसे उत्सवों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने लगी हैं।

नित्या ने कहा, भारतीय समाज में एक समय विधवाओं को अशुभ माना जाता था और उन्हें त्योहारों व सामाजिक आयोजनों में शामिल होने से वंचित कर दिया जाता था। कई महिलाएं तो अपने ही घरों से निकाल दी गईं और शरण की तलाश में वृंदावन आ पहुंचीं, जहां उन्हें अभाव और बेबसी भरा जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि 2012 में वृंदावन में रहने वाली विधवाओं की दयनीय स्थिति को देखते हुए उच्चतम न्यायालय ने 'सुलभ इंटरनेशनल' को उनकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी थी।

सुविचार

अच्छे लोगों का भगवान इम्तिहान बहुत लेता है पर साथ नहीं छोड़ता बुरे लोगों को सब कुछ देता है पर साथ नहीं देता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईरान के हालात से सीखें ये सबक

इजराइल व अमेरिका की संयुक्त सैन्य कार्रवाई से ईरान दहल उठा। उसके सर्वोच्च नेता समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और आम नागरिक मारे गए। घटना के बाद ईरान ने भी पूरी ताकत से पलटवार किया है। आखिरकार, इन सबका नतीजा क्या होगा, इस पर पूरी दुनिया की निगाहें हैं। ईरान के मौजूदा हालात में दुनिया के लिए बहुत बड़े सबक हैं। इनसे पहला सबक यह लिया जा सकता है कि जब कोई देश वैज्ञानिक उन्नति में पीछे रह जाता है और अंदर से कमजोर होता है तो दुश्मन का हीसाबा बढ़ जाता है। सरकारों को वैज्ञानिक उन्नति पर जोर देना चाहिए। ईरान के पास तेल-गैस के भंडार हैं। वह इन पर बहुत निर्भर रहा। उसने अन्य क्षेत्रों की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। जब अमेरिका समेत पश्चिमी देशों ने उस पर प्रतिबंध लगाए तो अर्थव्यवस्था चरमराने लगी। सरकारों को चाहिए कि वे एक ही क्षेत्र के भरोसे न रहें। अन्य क्षेत्रों का भी विकास करें। राष्ट्रीय सुरक्षा बड़े गंभीर विषय है। देश की दशा और दिशा इस पर निर्भर करती है। शीर्ष नेताओं की सुरक्षा का खर्च से मूल्यांकन करना चाहिए। अगर वे ही सुरक्षित नहीं रहेंगे तो देश कैसे सुरक्षित रहेगा? उनकी सुरक्षा में तैनात कुछ अधिकारी यह सोचकर जोखिम को कम आंकते हैं कि 'अब तक कुछ नहीं हुआ तो आगे भी कुछ नहीं होगा।' उन्हें याद रखना चाहिए कि दुश्मन को सिर्फ एक मोके की तलाश होती है। ईरान में मोसाद और सीआईए का जाल फैला हुआ है। इनके एजेंट सरहद पार गुप्त सूचनाएं भेजते रहते हैं। किसी भी देश को इस मामले में बहुत सतर्क रहना चाहिए। दुश्मन एजेंसियों को अपनी जमीन पर किसी सुरत में न पनपने दें।

अपनी सुरक्षा के लिए अन्य देशों और संगठनों के भरोसे बिल्कुल नहीं रहना चाहिए। जब दुश्मन नुकसान पहुंचा देता है तो दुनिया सिर्फ कड़ी निंदा करती है। खामेनेई के मामले में यही हो रहा है। इससे पहले, जब अमेरिकी सेना वेनेजुएला से निकोलस मादुरो को उठा ले गई तो दुनिया कड़ी निंदा करती रह गई। जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तब भी कड़ी निंदा खूब हुई। अकलमंद लोग अपने देश की सुरक्षा खुद करते हैं। वे हर चुनौती का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। खामेनेई जून 1989 से ईरान के सर्वोच्च नेता थे। ऐसे आरोप हैं कि उन्होंने अपने खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों का निर्ममता से दमन किया था। याद करें, महसा अमीनी के साथ क्या हुआ था? उन हजारों महिलाओं के साथ कैसा सलुक किया गया था, जो महसा अमीनी के लिए इन्फाकी की मांग कर रही थीं? जब कोई शासक अपने ही लोगों को इस तरह कुचलता है तो मामला बिगड़ता है। उसका फायदा कोई और उठाता है। हाल में ईरानी मुद्रा के भारी पतन के बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे हजारों लोग मौत के घाट उतार दिए गए। क्या उनके परिजन खामोश बैठे रहे? क्या मोसाद और सीआईए जैसी एजेंसियों ने उन्हें अपने पाले में लाने की कोशिश नहीं की होगी? अगर भविष्य में असंतोष बढ़ेगा तो वे किसका साथ देंगे? इन सवालियों के जवाब ढूँढना मुश्किल काम नहीं है। अगर कोई सरकार रौटी नहीं दे सकती, तो वह कम-से-कम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तो दे। कोई शासक अपने देशवासियों पर गोलियां चलाकर, उनकी आवाज दबाकर अपनी कुर्सी बचा सकता है, लेकिन कई चीजें गंवा बैठता है। इस स्थिति को टालने का सबसे अच्छा उपाय है- लोगों की आवाज सुनने, जहां तक संभव हो बातचीत से ही समाधान निकालें, 'सही समय' पर किसी योग्य व्यक्ति को आगे लाएं और उसके लिए कुर्सी छोड़ दें।

ट्वीटर टॉक

पावन पर्व होलिका दहन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर आइए संकल्प लें कि हम समाज में फैली कुुरीतियों, भेदभाव, ईर्ष्या-द्वेष और बुराईयों को अग्नि में समर्पित कर एक बेहतर, समरस और सद्भावपूर्ण समाज निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

-वसुंधरा राजे

सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के उर्जाविान कार्यकर्ताओं के साथ 'होली मिलन समारोह' में सम्मिलित होकर उन्हें उल्लास के इस महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अपनत्व और स्नेह से सराबोर अवसर पर 'चाय पर चर्चा' कर क्षेत्र के विकास और संगठन की मजबूती पर संवाद किया।

-भजनलाल शर्मा

होलिका दहन की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आइए, इस पुण्य अवसर पर हम सभी अपने जीवन से नकारात्मकता, और कुविचारों का दहन कर प्रेम, सौहार्द और सद्भाव का प्रकाश फैलाने का संकल्प लें।

-योगी आदित्यनाथ

प्रेरक प्रसंग

सुमति से समृद्धि

एक बार किसी ने तुलसीदासजी से पूछा, 'महाराज सम्पूर्ण रामायण का सार क्या है? क्या कोई चौपाई ऐसी है जिसे हम सम्पूर्ण रामायण का सार कह सकते हैं?' तुलसी दास जी ने कहा, 'हां, है और वह है जहां सुमति तह सम्पति नाना, जहां कुमति विपति जाना। अर्थात् जहां सुमति होती है, वहां हर प्रकार की सम्पति, सुख-सुविधाएं होती हैं और जहां कुमति होती है वहां विपति, दुःख और कष्ट पीछा नहीं छोड़ते। सुमति थी अयोध्या में, भाई-भाई में प्रेम था, पिता और पुत्र में प्रेम था, राजा राजा में प्रेम था, सास-बहू में प्रेम था और मातृक सेवक में प्रेम था तो संकटग्रस्त हुई अयोध्या फिर से बस गई। कुमति थी लंका में, एक भाई ने दूसरे भाई को लात मारकर निकाल दिया। कुमति और अनीति के कारण सोने की लंका राख का ढेर हो गई।' पांच पाण्डवों में सुमति थी तो उन पर कितनी विपदाएं आईं लेकिन अंत में विजय उनकी ही हुई और हस्तिनापुर में उनका राज्य हुआ। कौरवों में कुमति थी, अनीति थी, अनाचार था, अधर्म था तो उनकी पराजय हुई और सारे भाई मारे गए।

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति शृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होमुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे बहुत गंभीर बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा चिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशें को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है: वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्कोटिक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी

सामयिक

युद्ध से आर्थिक संकट और बिगड़ता सामाजिक ताना बना



युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हें मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगी। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुतरासीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है।

भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरों में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी

प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह रणनीतिक स्वायत्तता की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है।

भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना

निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाया है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी। भारत, जो स्वयं विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक है, इस परिवर्तन का अग्रदूत बन सकता है।

नजरिया

होली पर्व सामूहिकता का उत्सव

नूतन अधिपके 'नृप'

होली केवल रंगों से खेलने का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन को समझने और स्वीकार करने की एक गहरी सांस्कृतिक दृष्टि है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य का अस्तित्व केवल तर्क और व्यवस्था से नहीं, बल्कि भावनाओं, विरोधों और संवेदनाओं के रंगों से निर्मित होता है। जब समाज विचारों की कठोरता, संबंधों की दूरी और संवेदनहीनता के कारण रंगहीन हो जाता है, तब होली जीवन में उल्लास, समरसता और मानवीय उष्मा का संचार करती है। रंगों के माध्यम से यह पर्व जीवन के ड्रंन सुख-दुःख, प्रेम-विरोध, आशा-निराशा को स्वीकार करने की कला सिखाता है और हमें प्रश्न कराता है कि जीवन की सुंदरता उसके विविध रंगों में ही निहित है। यह उत्सव हमें बताता है कि रंग केवल बाहरी सजावट नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना, स्मृतियों और संबंधों का विस्तार है। वसंत के आगमन के साथ मनुष्य के भीतर जमी शीतल उदासियों को पिघलाने का काम होली करती है। जब समाज किसी न किसी कारण से धूसर हो चला हो, संवेदनाओं की थकान, संबंधों की टूटन, या विचारों की कटुता से तब होली जीवन में रंग भरने का साहसिक प्रस्ताव लेकर आती है। यही कारण है कि होली का उत्सव केवल हँसी-खुशी का आयोजन नहीं, बल्कि एक गहन दार्शनिक अनुभव भी है। रंगों का दर्शन भारतीय संस्कृति में अत्यंत प्राचीन और गहन है। यहाँ रंग केवल दृश्य अनुभूति नहीं, बल्कि भाव, गुण और चेतना के प्रतीक हैं। लाल रंग ऊर्जा, प्रेम और संघर्ष का संकेत देता है, पीला ज्ञान और वैराग्य का, हरा जीवन और आशा का, और नीला गहराई व अनंत का। होली इन सभी रंगों को एक साथ उछाल देती है, मानो जीवन के सभी भावों को स्वीकार करने की शिक्षा दे रही हो। यह स्वीकार्यता ही जीवन-दर्शन का मूल है कि जीवन केवल सुख या केवल दुःख नहीं, बल्कि दोनों का समन्वय है।



होली का एक प्रमुख आयाम जीवन का ड्रंन है। ड्रंन अर्थात् विरोधों का सह-अस्तित्व। सुख और दुःख, प्रेम और घृणा, जीत और हार- ये सभी जीवन के अनिवार्य रंग हैं। होली में जब लोग एक-दूसरे पर रंग डालते हैं, तो वे अनजाने ही इस ड्रंन को स्वीकार कर लेते हैं। कोई नहीं पूछता कि कौन अभी है, कौन गरीब, कौन उच्च है, कौन निम्न। रंग सभी भेदों को ढक लेते हैं। यह क्षणिक समानता हमें याद दिलाती है कि समाज द्वारा खींची गई रेखाएँ स्थायी नहीं, बल्कि मनुष्य द्वारा निर्मित हैं। रंगहीन समाज की अवधारणा आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है।

आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार, प्रतिस्पर्धा, तकनीकी निर्भरता और आल्पकेंद्रित सोच ने समाज को भीतर से फीका कर दिया है। लोग जुड़े तो हैं, पर संवादहीन हैं; साथ रहते हैं, पर संवेदनहीन। ऐसे समाज में होली एक प्रतिरोध का पर्व बन जाती है। यह हमें बाहर निकलकर एक-दूसरे को छूने, हँसने और क्षमा करने का अवसर देती है। रंगहीनता के विरुद्ध रंगों का यह उत्सव एक सांस्कृतिक विद्रोह जैसा है।

होली की पौराणिक कथा होलिका दहन भी गहरे प्रतीकवाद से भरी है। यह कथा केवल बुराई पर अच्छाई की जीत नहीं, बल्कि अहंकार के दहन

मनोवैज्ञानिक महत्व और भी बढ़ जाता है। रंग खेलना केवल बाहरी क्रिया नहीं, बल्कि आंतरिक मुक्ति की प्रक्रिया है। यह हमें अपने भीतर जमी कठोरताओं को ढीला करने का अवसर देती है। हँसी, गीत और नृत्य मन को हल्का करते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह सामूहिक आनंद तनाव को कम करता है और सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाता है।

हालांकि, आधुनिक समय में होली के सामने चुनौतियाँ भी हैं। रासायनिक रंग, जल का अल्पव्यय और जबरदस्ती के व्यवहार ने इस पर्व की आत्मा को कहीं न कहीं चोट पहुँचाई है। यदि होली जीवन को रंगीन बनाने का पर्व है, तो उसे जीवन के प्रति जिम्मेदार भी होना चाहिए। प्राकृतिक रंगों का प्रयोग, सहमति का सम्मान और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता- ये सभी होली के आधुनिक प्रतीकवाद का हिस्सा बनने चाहिए। होली हमें यह भी सिखाती है कि रंग स्थायी नहीं होते। शाम होते-होते रंग धुल जाते हैं, चेहरे फिर अपने मूल रूप में लौट आते हैं। यह अस्थायित्व जीवन का सबसे बड़ा सत्य है। जो आज है, वह कल नहीं रहेगा। इसलिए अहंकार, वैमनस्य और कठोरता को ढोने का कोई अर्थ नहीं। रंगों की तरह जीवन भी बहता है, बदलता है। इसे थामने की कोशिश में हम केवल थकते हैं, जी नहीं पाते।

होली जीवन को पूरे मन से स्वीकार करने का पर्व है। यह हमें बताती है कि रंगहीनता कोई नियति नहीं, बल्कि एक स्थिति है, जिसे बदला जा सकता है। यदि समाज फीका लगने लगे, तो दोष केवल बाहरी परिस्थितियों का नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के सुखेपन का भी है। होली हमें भीतर झाँकने और अपने मन में रंग भरने का निमंत्रण देती है। होली रंगों का उत्सव बन नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का जीवंत पाठ है। यह ड्रंनों को स्वीकार करना सिखाती है, भेदों को मिटाने का साहस देती है और रंगहीन समाज में मानवीय संवेदनाओं के रंग गोल देती है। जब हम होली के रंगों में सराबोर होते हैं, तब वास्तव में हम जीवन को उसकी पूरी विविधता के साथ गले लगाते हैं और शायद यही होली का सबसे गहरा प्रतीकवाद है।

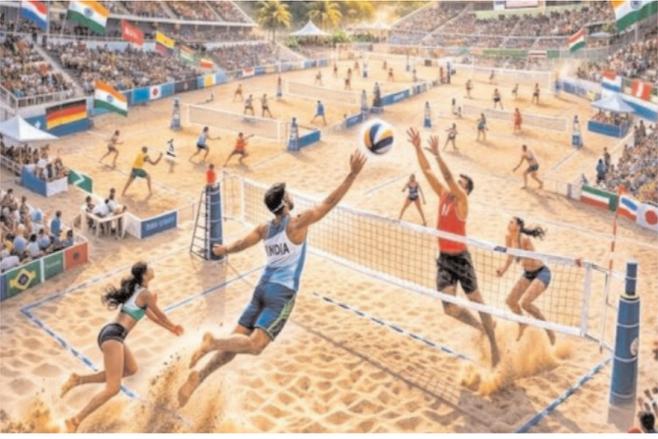
रंगों का यह उत्सव स्त्री-पुरुष, बालक-युद्ध, सभी को समान रूप से शामिल करता है। बच्चों के लिए होली शुद्ध आनंद है, युवाओं के लिए उत्साह, और बुढ़ों के लिए स्मृतियों की पुनरावृत्ति। इस प्रकार होली समय की सीमाओं को भी तोड़ती है। यह अतीत, वर्तमान और भविष्य को एक ही रंगीन क्षण में समेट लेती है। आज जब समाज में तनाव, अवसाद और अलगाव बढ़ रहा है, तब होली का

महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4, 1st floor, Cantonment station Road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekrant Parashar. ("Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PS Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वणिक्, टैडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में सम्पत्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उपायों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा वारा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रण एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



केआईआईटी विवि करेगा एफआईवीबी वॉलीबॉल वर्ल्ड बीच प्रो टूर की मेजबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। शहर एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है, क्योंकि एफआईवीबी वॉलीबॉल वर्ल्ड बीच प्रो टूर (पुरुष एवं महिला) 4 से 8 मार्च तक केआईआईटी विश्वविद्यालय में ओडिशा में पहली बार आयोजित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप, जो भारत में पहली बार किसी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी, 52 देशों की 82 टीमों को एकसाथ लाएगी। इसमें ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं सहित 306 मान्यता प्राप्त खिलाड़ी और अधिकारी भाग लेंगे।

यह टूर्नामेंट दुर्तीचंद एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसे केआईआईटी परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के बीच वॉलीबॉल एरीना में परिवर्तित किया गया है। कार्यक्रम का सुचारु

संचालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियों की गई हैं। व्यवस्थाओं की निगरानी केआईआईटी और केआईआईएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत के मार्गदर्शन में की जा रही है। उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा, आवास, प्रशिक्षण सुविधाओं और आतिथ्य से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा की है, ताकि आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप संपन्न हो।

भुवनेश्वर में इस चैंपियनशिप की घोषणा एफआईवीबी के अध्यक्ष फेबियो अजेवेदो ने पिछले साल दिसंबर में वॉलीबॉल ग्रैंड प्रिक्स के अवसर पर केआईआईटी और केआईआईएस के दौरे के समय की थी। केआईआईटी में वर्ल्ड-क्लास खेलकूद इंफ्रास्ट्रक्चर और ओडिशा के अच्छे खेल माहौल से प्रभावित होकर अजेवेदो ने घोषणा की कि एफआईवीबी बीच वॉलीबॉल इवेंट केआईआईटी और केआईआईएस के सहयोग से

राज्य में लगातार तीन साल 2026, 2027 और 2028 आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. सामंत ने कहा कि केआईआईटी और केआईआईएस ने खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के विकास के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने कहा, 'वॉलीबॉल एक ग्रामीण खेल है और ओलिंपिक खेल भी है। पिछले आठ वर्षों से, हमने इसके विकास के लिए लगातार कदम उठाए हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों की भागीदारी को बढ़ावा दिया है।' चैंपियनशिप में 82 अंतरराष्ट्रीय टीमों के 164 एलीट एथलीट हिस्सा लेंगे।

उनके अलावा अंतरराष्ट्रीय रेफरी और वरिष्ठ एफआईवीबी अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। मैचों को वॉलीबॉल वर्ल्ड टीवी के जरिए दुनियाभर में लाइव ब्रॉडकास्ट किया जाएगा। टूर्नामेंट 8 मार्च को ब्रॉज मेडल मैच, गोल्ड मेडल फाइनल और अर्वाइड सेरेमनी के साथ संपन्न होगा।

'बस शांति चाहिए,' ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग से डरी नोरा फतेही

मुंबई/एजेन्सी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रही जंग से बड़ी तबाही हो रही है। ईरान, अमेरिका के अन्य देशों में बने सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है। माना जा रहा है कि दुबई में एयरपोर्ट पर हुआ हमला ईरान की जवाबी कार्रवाई का हिस्सा है। इसी बीच वॉलीबुड अभिनेत्री नोरा फतेही इस जंग से स्तब्ध हैं और उन्होंने विश्व में शांति की अपील की है। नोरा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो के जरिए जानकारी दी है कि वे बिल्कुल ठीक हैं। दरअसल, नोरा फतेही के दुबई में सबसे ज्यादा शो जंग हो रहे हैं और वे दुबई में होने वाले इवेंट्स की फोटो और वीडियो भी फेंस के साथ शेयर करती हैं। अब उनका कहना है कि वह दुबई से भारत आ चुकी हैं और बिल्कुल ठीक हैं, लेकिन जो कुछ हो रहा है, वो डराने वाला है।

उन्होंने वीडियो में कहा, जो कुछ हो रहा है, उससे आध्यात्मिक और मानसिक रूप से थक चुकी हैं। जो वीडियो जारी किए जा रहे हैं, उन्होंने मुझे अंदर से झकझोरकर रख दिया है। हम सबको शांति चाहिए और पूरे विश्व को शांति चाहिए।



उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी पत्नी के साथ सोमवार को देहरादून में भाजपा स्टेट ऑफिस में होली मिलन सेरेमनी के दौरान।



'जलसा' सिर्फ घर नहीं, लाखों दिलों का आशीर्वाद है : अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी। मेगारटार अमिताभ बच्चन अक्सर अपने ब्लॉग और सोशल मीडिया के जरिए विचार व्यक्त कर अपनी मौजूदगी बनाए रखते हैं। सोमवार को उन्होंने अपने ब्लॉग पर एक खास नोट शेयर करते हुए लिखा कि उनका घर 'जलसा' सिर्फ एक घर नहीं बल्कि लाखों दिलों का आशीर्वाद है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर एक नोट शेयर करते हुए लिखा कि उनका घर 'जलसा' सिर्फ एक घर नहीं बल्कि लाखों दिलों का आशीर्वाद है। उन्होंने इसे तीन दशकों से ज्यादा समय तक मिले प्रशंसकों के प्यार व आशीर्वाद का प्रतीक बताया। अभिनेता ने 'जलसा' को सिर्फ एक मकान नहीं बल्कि लाखों दिलों के आशीर्वाद की जगह बनते हुए लिखा, यह घर पिछले 30 साल से ज्यादा वक्त से मेरे परिवार को छत दे रहा है। इसी घर में मेरे बच्चे बड़े हुए और उनकी शादियां भी हुईं। अब मेरे पोते-पोतियों में से भी कई इसी घर में खेलते हुए बड़े हुए हैं। अमिताभ बच्चन ने अपने प्रशंसकों को अपना बड़ा परिवार बताते हुए कहा, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रशंसक मेरे लिए अपना कीमती समय निकालकर मुझे मिलने आते हैं और मेरे बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हैं, जो मेरे लिए किसी दिव्य अनुभूति से कम नहीं है। आपका प्यार और आशीर्वाद मेरे लिए बेहद कीमती है।

उन्होंने इसे खुशी और आनंद की जगह बताया। उन्होंने लिखा, यह घर जश्न मनाने, परिवार के साथ रहने और समय के साथ चलते जीवन का सबूत है। यह घर अपनी की खुशियों को दिखाता है, हमारे जीने के तरीके से जुड़ा है और हमेशा जश्न व अस्तित्व का अहसास दिलाता रहता है। अमिताभ ने अपने विचारों को विराम देते हुए लिखा, एक ऐसा घर जो हमेशा खुशियों और साथ का प्रतीक बना रहेगा। अभिनेता आने वाले समय में कई प्रोजेक्ट को लेकर व्यस्त हैं। इस समय वे बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन फिल्म 'कल्कि 2998 एडी पार्ट 2' की शूटिंग हैदराबाद में कर रहे हैं, जिसमें वे अक्षय्यामा की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा, वे कई अन्य प्रोजेक्ट में नजर आएंगे, जिनमें 'ब्रह्मास्त्र पार्ट 2', 'सेक्शन 84', 'द इंडन' (सिमेक) और 'आंखें 2' शामिल हैं।

पूजा



महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सोमवार को पश्चिम बंगाल के तारापीठ में माँ तारा मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

म्यांमार की सैन्य सरकार ने 10 हजार से अधिक कैदियों को दी माफी

बैकॉक/एपी। म्यांमार के सैन्य शासन प्रमुख ने 10,000 से अधिक कैदियों को माफी दी है और अन्य की सजा में कटौती की है। सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, 2021 के सैन्य तख्तापलट में सत्ता से बेदखल की गई पूर्व नेता आंग सान सू की की रिहाई का कोई संकेत नहीं है। सू की को तब से लगभग पूरी तरह बाहरी संपर्क से दूर रखा गया है। यह माफी संसद के पांच साल से अधिक समय बाद होने जा रहे पहले सत्र से करीब दो सप्ताह पहले दी गई है। हालिया चुनाव के बाद यह सत्र आहत किया

गया। हालांकि, आलोचकों ने कहा था ये चुनाव न तो पारदर्शी थे और न ही निष्पक्ष। सरकारी टेलीविजन 'एमआरटीवी' की खबर के मुताबिक, सैन्य शासन प्रमुख सीनियर जनरल मिन आंग झाइंग ने किसानों के सम्मान में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय अवकाश 'किसान दिवस' पर 10,162 कैदियों को माफ किया जिनमें से 7,337 कैदी आतंकवाद रोधी कानून के तहत दोषी ठहराए गए थे।

एक अलग बयान में कहा गया कि इसी कानून के तहत मुकदमों का सामना कर रहे या या छिपे 12,487 लोगों को भी माफी दी जाएगी और उनके खिलाफ

उकसावे से जुड़े मामले बंद किए जाएंगे। इस कानून में मृत्युदंड तक का प्रावधान है और 2021 के बाद से इसका इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों, पत्रकारों और असहमति जताने वाले लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजने में व्यापक रूप से किया गया है।

एक अन्य बयान के अनुसार, 10 विदेशी नागरिकों को भी रिहा कर म्यांमा से निर्वासित किया जाएगा।

कैदियों की रिहाई सोमवार से शुरू हुई है, लेकिन इसमें कुछ दिनों लग सकते हैं। रिहा किए गए लोगों की पहचान तत्काल उपलब्ध नहीं हो सकी है।



फिल्म 'स्पिरिट' से विवेक ओबेरॉय का पहला पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी। सुपरस्टार प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। यह फिल्म मार्च 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। निदेशक संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म को लेकर अभी से माहौल बनाना शुरू कर दिया है। फिल्म में विवेक ओबेरॉय का पहला पोस्टर जारी किया है। नए

साल के मौके पर 1 जनवरी को फिल्म से प्रभास और तुमि डिमिरी की पहली झलक सामने आई थी। अब मेकर्स ने फिल्म से विवेक ओबेरॉय का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

पोस्टर में विवेक ओबेरॉय का लुक बेहद दमदार और अलग नजर आ रहा है। एक हाथ में तलवार, मुंह में सिगार, लंबे बाल और काले चश्मे

में उनका अंदाज काफी प्रभावशाली दिख रहा है। पोस्टर के साथ दिए गए कैप्शन, अंधेरे में छिपा एक रहस्य और वो आंखें जो सबसे गहरे राज याद रखती हैं, किरदार को लेकर रहस्य और गहरा कर दिया है। गौरतलब है कि 'स्पिरिट' एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी समेत कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म को लेकर दर्शकों में अभी से काफी उत्साह देखा जा रहा है।



मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन ने कहा 'द केरल स्टोरी 2' फिल्म देखूंगा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन ने शनिवार को कहा कि वह 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियाँन्ड' फिल्म देखेंगे। राजशेखरन ने कहा कि उन्होंने फिल्म का पहला भाग देखा था और उसमें उन्हें कोई खामी नहीं मिली थी। भाजपा की केरल इकाई के पूर्व अध्यक्ष रह चुके राजशेखरन ने कहा कि फिल्म की अगली कड़ी में भी कोई खामी नहीं है।

उन्होंने पूछा कि इससे राज्य में धर्मनिरपेक्षता पर क्या असर पड़ेगा। राजशेखरन ने पत्रकारों से बात

करते हुए पूछा, मैं इसे जरूर देखूंगा। मैंने पहली फिल्म देखी थी और उसमें कोई खामी नहीं थी। इस फिल्म (द केरल स्टोरी 2) में भी कोई खामी नहीं है। इससे धर्मनिरपेक्षता पर क्या असर पड़ेगा? जब पत्रकारों ने उन्हें बताया कि फिल्म के टिकटों की बिक्री कम रही है, तो भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि फिल्म देखना है या नहीं, यह तय करने की आजादी सबकी है।

उन्होंने कहा कि यह फिल्म उन महिलाओं की दुर्दशा के बारे में है, जिन्हें फिल्म में दिखाई गई समस्याओं का सामना करना पड़ता

है। राजशेखरन ने कहा कि ऐसी समस्याओं पर किताने भी लिखी गई हैं लेकिन किसी ने उन पर आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईसाई समेत अल्पसंख्यक समुदायों में ऐसी घटनाएं भी गतिविधियों को लेकर डर का माहौल है। केरल उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने शुक्रवार को एकल न्यायाधीश के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत फिल्म की रिलीज 15 दिनों के लिए स्थगित कर दी गई थी। खंडपीठ के फैसले से 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियाँन्ड' की रिलीज का रास्ता साफ कर दिया।

संयुक्ता ने पुरी जगन्नाथ की अगली फिल्म में तब्बू के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई संयुक्ता, जिन्होंने वाथी, भीमला नायक, कडुवा और विरुपाक्ष जैसी फिल्मों में दमदार परफॉर्मेंस देकर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है, आज के समय में सबसे होनहार सितारों में शुमार की जाती हैं। अब वह तैयार हैं एक और बड़े सिनेमाई धमाके के लिए। निर्देशक पूरी जगन्नाथ की अपकॉमिंग पैन इंडिया फिल्म में वह स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी आइकॉनिक तब्बू और पावरहाउस एक्टर विजय सेतुपति के साथ। जैसे जैसे इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, संयुक्ता ने हाल ही में तब्बू के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और स्क्रीन केमिस्ट्री की एक झलक भी दी। बड़े पैमाने पर बनी इस फिल्म में विजय सेतुपति लीड रोल में हैं, संयुक्ता फीमेल लीड के रूप में दिखेंगी और तब्बू एक बेहद अहम और इंटेंस किरदार में नजर आएंगी, जिसकी इंडस्ट्री में खूब चर्चा है। फिल्म का निर्माण याममें कौर और पूरी जगन्नाथ ने अपने बैनर पुरी कनेक्स्ट के तहत किया है। शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म

तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज की तैयारी में है। खुद तब्बू ने इसे साउथ का धमाका बताया है और माहौल भी यही इशारा कर रहा है। हाल ही की बातचीत में संयुक्ता तब्बू की तारीफ करते नहीं थमीं। उन्होंने कहा, वह कुछ अलग ही हैं। जिस अंदाज और एनर्जी के साथ वह सेट पर आती हैं, वह बेहद खूबसूरत है। उन्होंने कंदुकुंडेन कंदुकुंडेन जैसी शानदार फिल्म की है, जो मेरी पर्सोना फिल्मों में से एक है। उसमें वह कमाल लगी थीं और आज भी उतनी ही ग्रेसफुल हैं। जब मैंने उन्हें सेट पर आते देखा तो मैं बस उन्हें देखती रह गई। मुझे पता ही नहीं था कि वह हैदराबाद से हैं। जब उन्होंने शहर के लोगों से बात की तो उनकी हैदराबादी हिंदी सुनकर मुझे बड़ी प्यारी लगी। हमारे बहुत ज्यादा सीन साथ में नहीं थे, लेकिन उनके साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा।

संयुक्ता के लिए, जो आज बॉक्स ऑफिस पर लगातार सफलताओं के साथ गोल्डन फेज में हैं, यह फिल्म सिर्फ एक और प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक खास पड़ाव है। विजय सेतुपति की रॉ इंटेन्सिटी,

तब्बू की दमदार मौजूदगी और संयुक्ता की तेजी से बढ़ती स्टार पावर मिलकर एक ऐसा सिनेमाई तूफान खड़ा करने वाले हैं जो साउथ के धमाके वाली पहचान को पूरी तरह जस्टिफाई करेगा। आगे का सफर भी उतना ही रोमांचक है। संयुक्ता जल्द ही एक्शन से भरपूर फिल्म बेंज में नजर आएंगी, जो चर्चित लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स में उनकी दमदार एंट्री मानी जा रही है। इसके अलावा तेलुगु प्रोजेक्ट स्वयंभू में भी उनसे एक और यादगार परफॉर्मेंस की उम्मीद की जा रही है। कुल मिलाकर, चैप्टर का यह नया अध्याय सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई उत्सव की शुरुआत लगता है।



